वर्ष 1, अंकः 54, मूल्य 5/

गढ़वा, रविवार, 12 जुलाई 2026

www.jharkhandvarta.com

शिकायत या सुझाव : jharkhandvartaranchi@gmail.com पर मेल करें, PRGI No. JHHIN/25/A0561

झारखंड वार्ता

गढ़वा से प्रकाशित, रांची से मुद्रित

खबर आम हो खास, पहुंचेगी आपके पास

संक्षिप्त समाचार...............

रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही 6 हत्याएं कीं

तेनंगाना। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं।

पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित, उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लकी ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। लकी के मामा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा।

ओडिशा में एटीएम को थार से बांधकर उखाड़ा,घसीटने लगे तो रस्सी टूटी

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर जिले के तुड़ीगड़िया बाजार में फिल्मी तरीके से लूटने की घटना सामने आई है। तीन से चार बदमाश

शुक्रवार रात करीब 2 बजे काले रंग की महिंद्रा थार से इंडिया1 एटीएम कियोस्क आए। उन्होंने कियोस्क का दरवाजा तोड़ा और रस्सी से थार में बांधकर उखाड़ लिया। फिर को सड़क पर घसीटते हुए ले जाने लगे, लेकिन रस्सी टूट गई। चोरों ने मशीन को उठाकर गाड़ी में रखने की कोशिश की लेकिन मशीन इतनी भारी थी कि उनसे नहीं उठ पाई। इसके बाद उन्होंने मशीन को फिर गाड़ी से बांधकर आगे घसीटा। सुनसान जगह पर पहुंचकर आरोपियों ने तोड़कर उसमें रखा कैश निकालने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

पंजाब- 9 माह की प्रेग्नेंट पत्नी की हत्याःमानसा में मायके पहुंचा पति

मानसा। मानसा में एक युवक ने अपनी करीब 9 महीने की गर्भवती पत्नी की हत्या कर दी। शुक्रवार रात युवक पत्नी के मायके पहुंचा। उससे

बात करने के बहाने घर के बाहर बाथरूम में बुलाकर उसने तेजधार हथियार से पत्नी का गला काट दिया। परिजन के मुताबिक, युवक को पत्नी के चरित्र पर शक था। वह कहता था कि यह बच्चा उसका नहीं है। इसे लेकर वह कई बार उसके साथ मारपीट भी कर चुका था। पिछले साल ही इन दोनों परिवार के खिलाफ जाकर लवमैरिज की थी। विवाहिता के गर्भ में जुड़वा बच्चे थे। महिला की हत्या के साथ युवक ने दोनों बच्चों की भी हत्या की है। परिजन ने मांग की है कि युवक को गिरफ्तार कर उसे कड़ी सजा दी जाए। अपने पति सचप्रीत सिंह के साथ सिमरजीत कौर।

2029 से लागू हो सकता है वन नेशन वन इलेक्शन,राज्यों के विशेषज्ञों से सलाह ले रहे

नई दिल्ली। संसद की संयुक्त समिति कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक, अब तक चर्चा में शामिल लगभग 99त्न नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है। समिति ने गोवा के मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों सहित कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि बार-बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होता होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा, जहां मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दलों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देकर संसद में पेश करेगी।

लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव अलग-अलग कराने के बजाय एक साथ कराना। जिन राज्यों का कार्यकाल 2029 के बाद भी बचा होगा, उनका क्या होगाड़ संविधान संशोधन के जरिए उन राज्यों के कार्यकाल को समय से पहले ही समाप्त करके 2029 के चुनावी चक्र के साथ जोड़ा जाएगा। जिनका कार्यकाल 2029 से पहले खत्म हो रहा होगा, उनका क्या होगा।

न्यूजीलैंड के साथ ट्रेड समझौता ऐतिहासिक'

ऑकलैंड में बोले पीएम मोदी- भारत अब ग्लोबल ग्रोथ का लॉन्चपैड

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वैश्विक मंच से भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति का दमदार खाका पेश किया। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में प्रवासी भारतीय समुदाय के एक भव्य कार्यक्रम 'किया ओरा मोदी' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों और मंदी के दौर के बावजूद भारत के विकास की गति अभूतपूर्व है और आज देश दुनिया को विकास का एक बिल्कुल नया मॉडल दे रहा है। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान मंच पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी मौजूद थे, जिन्होंने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

■ **'दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है भारत'**

प्रवासी भारतीयों के भारी उत्साह, तालियों की गड़गड़ाहट और "मोदी-मोदी" के नारों के बीच प्रधानमंत्री ने कहा, "वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत जिस गति से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुका है।"

■ **डिजिटल क्रांति और अंतरिक्ष में भारत की ऊंची उड़ान**

प्रधानमंत्री ने भारत के नए विकास मॉडल के उदाहरण देते हुए तकनीकी क्षेत्र में देश की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं, जिसने दुनिया को हैरान किया है। इसके साथ ही भारत अब ड्रोन प्रौद्योगिकी (Drone Technology) और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था (Space Economy) में भी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

■ **भारत-न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता लिखेगा नया इतिहास**

दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध सुखद स्मृतियों, स्थायी मित्रता, साझा मूल्यों और परस्पर प्रतिबद्धता पर टिके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच होने वाला आगामी व्यापार समझौता विकसित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा को और गति देगा, जिससे दोनों देशों के कारोबारियों के लिए व्यापार के नए और असीमित अवसर पैदा होंगे।

■ **40 साल बाद भारतीय पीएम दौरा, 30 साल पुराना मफलर**

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की अपनी महत्वपूर्ण यात्रा के अंतिम चरण में शुक्रवार को ऑकलैंड पहुंचे थे। पिछले 40 वर्षों में न्यूजीलैंड की यात्रा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मंच से एक पुराना मफलर दिखाकर अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक जीवन में आने से पहले, करीब 25-30 वर्ष पूर्व जब वे एक साधारण नागरिक के रूप में न्यूजीलैंड आए थे, तब उन्हें यह मफलर उपहार में मिला था, जिसे उन्होंने आज भी सहेज कर रखा है।

ईरानी सुप्रीम लीडर बोले-पिता खामेनेई की मौत का बदला लेंगे

ट्रम्प बोले- ईरान पर 1000 मिसाइलें तानीं, मुझे मारने की कोशिश की तो तबाह कर देंगे

एजेंसी तेल अवीव

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद पहली बार संदेश जारी किया। अल जजीरा के मुताबिक, उन्होंने कहा- 'मैं अपने पिता के बेगुनाह खून का बदला जरूर लूंगा,यह ही हमारे देश की भी इच्छा है।'मुजतबा ने अंतिम संस्कार में शामिल हुए लाखों लोगों का आभार जताया और अपने पिता को श्रद्धांजलि भी दी । उन्होंने कहा कि लोगों की भारी मौजूदगी ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया और यह एक ऐतिहासिक पल था।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की तो ईरान को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने लिखा कि ईरान की ओर 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी।

एक्सपर्ट बोले- होर्मुज पर नियंत्रण छोड़ना ईरान को मंजूर नहीं

तेहरान की यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर मोस्तफा खोशचेश्म ने अल जजीरा से कहा कि होर्मुज स्ट्रेट हमेशा से ईरान के नियंत्रण में रहा है और ईरानी लोग युद्ध के बाद इस पर अपना नियंत्रण छोड़ना मंजूर नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं और यह ईरान का सबसे बड़ा दबाव बनाने वाला हथियार बन गया। इससे अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प पर घरेलू दबाव बढ़ा और वह सैन्य ताकत के जरिए भी होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खुलवा सके।

उन्होंने कहा कि अब अमेरिका के साथ बातचीत से ईरान को कोई फायदा नहीं दिखता, बल्कि उसे ज्यादा नुकसान हो सकता है।

75% से ज्यादा हिस्सा भारत में बना ; राजनाथ बोले– आंध्र प्रदेश बनेगा देश का ड्रोन हब

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल, स्वदेशी मिसाइल-सेंसर से लैस

एजेंसी विशाखापत्तनम

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम नेवल डॉकयार्ड में महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किया। महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट-17 की नीलगिरि कैटेगरी का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) है। इसे बनाने में 75त्न से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

आईएनएस महेंद्रगिरि स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। यह हिंद महासागर में भारत की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में आठ ड्रोन कंपनियों के समूह के साथ %ड्रोन सिटी% विकसित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह सूरत डायमंड सिटी और बेंगलुरु सिलिकॉन वैली के नाम से जाना जाता है, उसी तरह आने वाले समय में कुरनूल देश का ड्रोन हब बनेगा।

आईएनएस महेंद्रगिरि की खासियत

75% से ज्यादा स्वदेशी तकनीक- इसे भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है और मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तैयार किया है।युद्धपोत में 75%से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।इसके निर्माण में देशभर की कई कंपनियों ने भी योगदान दिया है, जिससे रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

मॉडर्न हथियारों से लैस- महेंद्रगिरि में आधुनिक सरफेस–टू–सरफेस और सरफेस–टू–एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, एंटी–सबमरीन वॉरफेयर सिस्टम और इंटीग्रेटेड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाए गए हैं।

बुलडोजर चलने पर मंदिर भरभराकर गिरा, 1 की मौत

एजेंसी चंदौली

यूपी के चंदौली में बुलडोजर एक्शन के दौरान काली माता मंदिर का गुंबद अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, दूसरा घायल हो गया। हादसे के वक्त दोनों मजदूर करीब 10 फीट दूर रस्सी पकड़े खड़े थे। लेकिन, गुंबद इतनी तेजी से गिरा कि दोनों भाग नहीं सके और उसकी चपेट में आ गए। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने किसी तरह गुंबद हटाकर दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। 200 साल पुराना यह मंदिर सड़क के बीचोंबीच बना था। मुगलसराय-वाराणसी मार्ग के चौड़ीकरण के चलते मंदिर को तोड़ा जा रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की तारीफ की

एजेंसी मुंबई

एनसीपी एससीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में हुए बदलाव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से लाखों किसानों को फायदा मिलेगा। पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का धन्यवाद भी किया। शरद पवार की पार्टी एनसीपी एससीपीमें शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें भी हैं। हालांकि, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन सभी चर्चाओं को अफवाह बताया है।

सूत्रों के मुताबिक, पवार की पार्टी के नेता ह्रष्ठ में शामिल के फेवर में नहीं हैं। कुछ नेताओं ने इस पर असहमति जताई है। दरअसल, इन अटकलों को उस समय और बल मिला, जब शरद पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर 8 जुलाई को मुंबई में विधानभवन में मीटिंग हुई थी। इसके बाद पवार ने डिप्टी ष्टरूशिंदे के कमरे में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की।

शरद पवार बोले- सरकार फैसला नहीं लेती तो लाखों किसानों को नुकसान होता शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं और कृषि उपज के दामों में गिरावट को देखते हुए कर्जमाफी योजना की घोषणा की थी।

मांग रंधावा बोले– कंप्रोमाइज्ड लीडर नहीं चाहिए ; बघेल बोले– रिपोर्ट हाईकमान को दूंगा

पंजाब कांग्रेस के बागी गुट की मीटिंग में गर्मागर्मी

एजेंसी लुधियाना

पंजाब कांग्रेस में बगावत के बीच के राज्य प्रभारी भूपेश बघेल ने शनिवार को चंडीगढ़ में बागी गुट से 2 घंटे मीटिंग की। इसमें हर वक्त माहौल गर्माया रहा। 3 सांसदों व 9 एमएलए वाले बागी गुट ने साफ कर दिया कि वह मौजूदा प्रधान राजा वड़िंग की अगुआई में काम नहीं कर सकते। इस दौरान पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी ने कहा कि कांग्रेस के हित में राजा वड़िंग को प्रधान पद से इस्तीफा देना चाहिए।

इसी तरह सांसद सुखजिंदर रंधावा ने

तो सीधे कह दिया कि हमें कांग्रेस को डुबोने वाला प्रधान नहीं चाहिए। कंप्रोमाइज्ड लीडर नहीं चलेगा। हमें ठोककर बोलने वाला प्रधान चाहिए। इसके अलावा सभी नेताओं ने राजा वड़िंग की कारगुजारी को लेकर जमकर सवाल खड़े किए। इस दौरान बघेल उन्हें समझाते रहे कि सारी बातें हाईकमान तक पहुंचाएंगे। माहौल देख नेता विपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि हाईकमान को उनके नई नियुक्ति वाले फैसले की समीक्षा करनी चाहिए।

सोर्सेज के मुताबिक विधायक प्रगट सिंह ने प्रभारी भूपेश बघेल को लेकर कहा इंटरव्यू देने के बजाय कांग्रेस को बचाना चाहिए। इसके बाद बघेल बाहर निकले तो उन्होंने कहा कि मैं सारी रिपोर्ट हाईकमान को दूंगा। कोई भी कंप्रोमाइज्ड नेता नहीं चलेगा। जो जीतने लायक है, उसके टिकट दी जाएगी। बघेल ने यह भी कहा कि कोई भी ये न सोचे कि उसके सिर पर किसी का हाथ नहीं है। मैं उसके साथ हूं।

हालांकि हैरत की बात यह है कि भूपेश बघेल बागियों की मीटिंग में सवा घंटे लेट आए और उससे पहले वह कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग से मिले। यही नहीं, उनके खिलाफ शिकायतें सुनने के बाद मीटिंग खत्म कर वड़िंग की डिफेंडर गाड़ी में ही एयरपोर्ट के लिए निकल गए। गाड़ी खुद राजा वड़िंग ने ही ड्राइव की।

यूपी में कार-पुल डूबे, 3 दिन में 15 मौतें

उत्तराखंड-हिमाचल में 438 सड़कें बंद; मिजोरम में 4 दिन से टूरिस्ट फंसे

एजेंसी नई दिल्ली

मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित देश के 10 राज्यों में अगले 5 दिन कम बारिश होने की संभावना है। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश के पश्चिमी हिस्से से बादल गायब हो गए हैं।

नई सैटेलाइट तस्वीरों में बादल पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे- उत्तराखंड, यूपी, बिहार, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा की तरफ चले गए हैं। यही वजह है कि इन राज्यों में भारी बारिश हो रही है। यूपी के हापु में तेज बारिश से अंडरपास में पानी भर गया। थार कार डूब गई। बिजनौर में गंगा और उसकी सहायक मालन नदी उफान पर है। कई छोटे पुल डूब गए हैं, प्रदेश में 3 दिन में 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में देर रात भारी बारिश के कारण चलती पिकअप पर पहाड़ का एक हिस्सा गिर गया। मलबे और बोल्डरों की चपेट में आने से गाी पूरी तरह पिचक गई। मिजोरम के लुंगलेई जिले में बारिश के बाद नदी का जलस्तर बढ़ गया। 80 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राज्य में 29 जगह लैंडस्लाइड हुई। लुंगलेई जिले के बुआल्ते गांव के पास नेशनल हाईवे 54 बंद हो गया है, जहां पिछले चार दिनों से कई पर्यटक फंसे हुए हैं।

रुद्रप्रयाग में भूस्खलन के बाद सात घंटे तक बंद रहा बद्रीनाथ हाईवे फिर से खुला

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के सिरोबगड़ में भूस्खलन के कारण लगभग 7 घंटे तक बंद रहने के बाद, शनिवार को बद्रीनाथ हाईवे को वाहनों की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया।

झारखंड वार्ता
रविवार, 12-07-2026
www.jharkhandvarta.com

केंद्रीय राज्य मंत्री से मिले रवि प्रकाश, श्री बंशीधर नगर के विकास और आवास योजनाओं पर हुई चर्चा

विश्व प्रसिद्ध श्री राधा कृष्ण बंशीधर जी की तस्वीर भेंट कर दिया नगर आने का निमंत्रण

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। श्री बंशीधर नगर पंचायत अध्यक्ष साधना देवी एवं जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रवि प्रकाश बबलू ने शुक्रवार को भारत सरकार के केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू से लातेहार परिसदन में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्री राधा कृष्ण बंशीधर जी की तस्वीर भेंट कर मंत्री का स्वागत किया तथा उन्हें श्री बंशीधर नगर आने का औपचारिक निमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान रवि प्रकाश बबलू ने श्री बंशीधर नगर पंचायत के समग्र विकास, शहरी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा प्रधानमंत्री आवास एवं अन्य शहरी विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न मुद्दों को मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने नगर क्षेत्र में बेहतर सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने रवि प्रकाश की बातों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि श्री बंशीधर नगर के विकास से जुड़े प्रस्तावों पर प्राथमिकता के साथ विचार किया जाएगा तथा केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास होगा। उन्होंने निकट भविष्य में श्री बंशीधर नगर आने का भी आश्वासन दिया। इस अवसर पर रवि प्रकाश बबलू ने कहा कि श्री बंशीधर नगर ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखता है। नगर के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से योजनाओं को धरातल पर उतारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का सकारात्मक आश्वासन मिला है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नगरवासियों को इसका लाभ मिलेगा।

सियाराम स्वीट्स एंड रेस्ट्रो का भव्य शुभारंभ आशीष कुमार सोनी ने फीता काटकर किया उद्घाटन

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : जब किसी शहर में सिर्फ एक दुकान नहीं,बल्कि भरोसे और स्वाद की नई शुरूआत होती है,तब वह शहर भी अपने विकास की एक नई कहानी लिखता है,गढ़वा के लोगों के लिए शनिवार का दिन कुछ ऐसा ही खास रहा,शहर के चिनिया मोड़ स्थित टाउन हॉल के सामने सियाराम स्वीट्स एंड रेस्ट्रो का भव्य शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष आशीष कुमार सोनी उर्फ दौलत सोनी ने फीता काटकर किया,उद्घाटन के साथ ही शहरवासियों को एक ऐसा नया ठिकाना मिल गया,जहां अब रांची,पटना,लखनऊ और बनारस के स्वाद का आनंद अपने ही शहर में मिलेगा।

उद्घाटन के अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष आशीष कुमार सोनी ने कहा कि गढ़वा लगातार आगे बढ़ रहा है और अब लोगों को अच्छी मिठाइयों के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, उन्होंने विश्वास जताया कि सियाराम स्वीट्स एंड रेस्ट्रो शहरवासियों को बेहतरीन गुणवत्ता और शुद्धता के साथ मिठाइयां उपलब्ध कराएगा, उन्होंने दुकान के संचालक विनय केशरी उर्फ डिम्पल केशरी एवं विमल केशरी उर्फ नेपाली की सराहना करते हुए कहा कि दोनों भाई लव कुश की जोड़ी की तरह मेहनत और ईमानदारी से अपने कारोबार को आगे बढ़ा रहे हैं, इससे पहले भी उनका काव्या रेस्टोरेंट लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुका है। उन्होंने दोनों भाइयों से आग्रह किया कि मिठाइयों की गुणवत्ता और शुद्धता से कभी समझौता न करें,ताकि गढ़वा के लोग न सिर्फ यहां आएं बल्कि अपने परिचितों को भी इस प्रतिष्ठान तक लेकर आएं,साथ ही उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि स्थानीय व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहयोग करें और एक बार यहां की मिठाइयों का स्वाद जरूर चखें।

वहीं सियाराम स्वीट्स एंड रेस्ट्रो के प्रोपराइटर विनय केशरी उर्फ डिम्पल केशरी ने बताया कि उनका उद्देश्य सिर्फ मिठाई बेचना नहीं,बल्कि लोगों को ऐसा स्वाद देना है जो उन्हें बार बार यहां आने के लिए मजबूर कर दे, उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान में तैयार होने वाली सभी मिठाइयां पूरी तरह घर में बनाई जाती हैं, किसी भी प्रकार का बाहरी उत्पाद यहां नहीं रखा जाता, उन्होंने कहा कि मिठाइयों को तैयार करने के लिए लखनऊ, पटना और बनारस से अनुभवी कारीगर बुलाए गए हैं, हर मिठाई शुद्ध घी,उत्तम गुणवत्ता वाले काजू और ताजे दूध से तैयार की जाती है,ताकि ग्राहकों को स्वाद के साथ गुणवत्ता का भी भरोसा मिल सके। उन्होंने गढ़वा की जनता से आग्रह करते हुए कहा कि एक बार जरूर आएं,यहां की मिठाइयों का स्वाद लें और अपना स्नेह व आशीर्वाद बनाए रखें।

उद्घाटन समारोह के दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं शहरवासी मौजूद रहे, पूरे कार्यक्रम में उत्साह का माहौल देखने को मिला और लोगों ने नए प्रतिष्ठान की शुरूआत पर संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धुरकी पुलिस की बड़ी कार्रवाई सात फरार वारंटी गिरफ्तार

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर(गढ़वा) : धुरकी थाना क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत धुरकी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे और गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस को यह सफलता मिली। थाना प्रभारी जनार्दन राऊत ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह पुतूर गांव में छापेमारी कर जीआर संख्या 2146/17 के अभियुक्त अनिल राम (28), राजेश राम (34), रमेश राम (31), अवधेश राम (42), संतोष राम (39), बिडू राम (50) तथा राम प्यारी राम (50) को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि धुरकी पुलिस क्षेत्र को अपराधमुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। किसी भी अपराधी को कानून से बचने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि यदि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

राजा पहाड़ी शिव मंदिर विवाद के बाद नई प्रबंधन समिति का गठन

एसडीओ ने जारी किया आदेश, विधायक होंगे पदेन अध्यक्ष, मंदिर संचालन के लिए 10 सदस्यीय समिति गठित

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय में स्थित ऐतिहासिक राजा पहाड़ी शिव मंदिर में वित्तीय अनियमितता एवं मनमानी को लेकर उपजे विवाद के बाद प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। मंदिर के सुचारु संचालन और व्यवस्थाओं में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्धा ने नई राजा पहाड़ी शिव मंदिर प्रबंधन के लिए 10 सदस्यीय समिति के गठन का आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि मंदिर में वित्तीय अनियमितता एवं प्रबंधन को लेकर उत्पन्न विवाद के कारण मंदिर के संचालन में कठिनाई हो रही थी। साथ ही भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव ने भी मंदिर की व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने का अनुरोध किया था। इसके आलोक में नई प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। नई समिति में भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव को पदेन अध्यक्ष, जबकि अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्धा को पदेन सचिव बनाया गया है। इसके अलावा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह, अंचल अधिकारी, वन क्षेत्र पदाधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष तथा वार्ड संख्या-4 के वार्ड पार्षद को पदेन सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति में कमलेश मेहता, रजनीकांत मधुर उर्फ भोलू तथा संजय कांस्यकार को सदस्य नामित किया गया है। एसडीओ के आदेश के अनुसार प्रबंधन समिति प्रत्येक माह बैठक करेगी और मंदिर के संचालन, विकास, आय व्यय एवं आवश्यक व्यवस्थाओं से जुड़े निर्णय लेगी। प्रशासन का कहना है कि नई समिति के गठन से मंदिर की व्यवस्था अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह होगी। साथ ही श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी पहल की जा सकेगी। बता दे कि राजा पहाड़ी शिव मंदिर हाल के दिनों में वित्तीय अनियमितता और प्रबंधन को लेकर चर्चा में रहा है। ऐसे में प्रशासन द्वारा नई प्रबंधन समिति का गठन मंदिर व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

दूषित पानी पीने को मजबूर बनखेता टोला के ग्रामीण, विधायक से लगाई गुहार

दस दिनों पहले सौंपा था आवेदन, अब भी नहीं हुई स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, बीमारी फैलने की आशंका

सूरज वर्मा

केतार (गढ़वा)। केतार प्रखंड अंतर्गत बनखेता टोला में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गांव के करीब दस परिवार पिछले कई दिनों से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है और उन्होंने जनप्रतिनिधियों व प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि टोला में स्वच्छ पेयजल का कोई स्थायी इंतजाम नहीं है। मजबूरी में लोग दूषित पानी का उपयोग पीने और घरेलू कार्यों के लिए कर रहे हैं। बरसात के मौसम में पानी की गुणवत्ता और खराब हो गई है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के बीमार पड़ने की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीण महिला किरण देवी और इंदू देवी ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए करीब दस दिन पहले टोला के लोगों ने टेंपो बुक कर विधायक से मुलाकात की थी और लिखित आवेदन सौंपकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि आवेदन देने के बाद भी अब तक न तो कोई अधिकारी गांव पहुंचा और न ही समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल की गई। ग्रामीणों ने बताया कि दूषित पानी के कारण पूरे टोला के लोग भय के माहौल में जीवन यापन कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई तो जलजनित बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। उन्होंने प्रशासन से अस्थायी रूप से टैंकर से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा स्थायी समाधान के लिए चापाकल की मरम्मत या नई पेयजल योजना शुरू करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक का बुनियादी अधिकार है। ऐसे में संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देना चाहिए, ताकि बनखेता टोला के लोगों को दूषित पानी पीने की मजबूरी से राहत मिल सके। अब क्षेत्रवासी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की पहल का इंतजार कर रहे हैं।

पैदल 7 किलोमीटर चलकर गांव पहुंचे बीडीओ प्रवीण कुमार सिंह, ग्राम सभा में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

झारखंड वार्ता संवाददाता

बरडीहा (गढ़वा) : प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह के प्रयास से गुरुवार की सुबह ओबरा गांव में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ओबरा पंचायत के मुखियापति, बरडीहा के उपप्रमुख सतेंद्र पासवान, पंचायत प्रतिनिधि पुष्प रंजन, अमित पासवान सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की सबसे विशेष बात यह रही कि बीडीओ प्रवीण कुमार सिंह अपने सरकारी आवास से लगभग 7 किलोमीटर पैदल चलकर सुबह 7:30 बजे गांव पहुंचे और सीधे ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने पेंशन से वंचित लोगों की समस्या, ग्राम पंचायत एवं कार्यकारिणी की नियमित बैठक नहीं होने, आपसी भूमि विवाद तथा अन्य विकास संबंधी मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। सभी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनते हुए बीडीओ ने कहा कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं पूरी तरह निःशुल्क हैं। उन्होंने ग्रामीणों को स्पष्ट रूप से आगाह किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में जियो-टैगिंग या किसी भी अन्य कार्य के नाम पर किसी को कोई राशि न दें। यदि कोई व्यक्ति पैसे की मांग करता है तो इसकी सूचना तत्काल उनके मोबाइल पर दें। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों का चयन ग्राम सभा की पारदर्शी अनुशंसा के आधार पर किया जाए तथा सबसे पहले सबसे अधिक जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा जब ग्राम सभा मजबूत होगी, तभी गांव का समग्र विकास संभव होगा। पेंशन योजना के संबंध में उन्होंने बताया कि अब सभी पात्र व्यक्तियों को पेंशन से लाभान्वित किया जाएगा। किसी भी योग्य लाभुक का आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने दिया जाएगा। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के संबंध में उन्होंने कहा कि बच्चे के जन्म के बाद एक माह के भीतर आंगनबाड़ी एवं पंचायत के माध्यम से जन्म का पंजीकरण अवश्य कराएं। इसी प्रकार किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसका पंजीकरण भी समय पर पंचायत में कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई न हो। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से प्रत्येक माह नियमित रूप से ग्राम पंचायत एवं कार्यकारिणी की बैठक आयोजित करने का आग्रह किया, जिससे स्थानीय समस्याओं की पहचान कर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने बीडीओ प्रवीण कुमार सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहली बार हुआ है जब कोई प्रखंड विकास पदाधिकारी पैदल चलकर गांव पहुंचा और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने इसे जनसरोकार, संवेदनशील प्रशासन और जनविश्वास को मजबूत करने वाली ऐतिहासिक पहल बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

पशुपति नाथ मिश्रा का भंडरिया व बड़गड़ प्रखंड का व्यापक निरीक्षण

स्वास्थ्य, शिक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था का लिया जायजा, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी पशुपति नाथ मिश्रा ने जिले के भंडरिया एवं बड़गड़ प्रखंड का व्यापक क्षेत्र भ्रमण कर स्वास्थ्य, शिक्षा, विशेष गहन पुनरीक्षण तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवा सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आवासीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने तथा प्रखंड कार्यालयों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएचसी भंडरिया का औचक निरीक्षण, मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के निर्देश

क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भंडरिया का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के प्रत्येक कक्ष का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से संवाद करते हुए कहा कि अस्पताल आने वाला प्रत्येक मरीज गुणवत्तापूर्ण इलाज एवं मानवीय व्यवहार का अधिकारी है। उन्होंने सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने तथा सेवा भावना के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने उपस्थिति पंजी, स्टॉक रजिस्टर, औषधि उपलब्धता, चलंत चिकित्सा वाहनों सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की समस्या का समाधान आपसी समन्वय से करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने अस्पताल में पेयजल की समस्या से उपायुक्त को अवगत कराया। इस पर उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को बोरिंग करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अस्पताल परिसर में उपस्थित स्थानीय लोगों से भी सीधा संवाद किया तथा अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं एवं सेवाओं के संबंध में उनकी राय जानी। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए तथा प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हाल ही में सीएचसी भंडरिया में चिकित्सकों के साथ सुरक्षा गार्ड द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की घटना का भी उन्होंने संज्ञान लिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में सिविल सर्जन द्वारा संबंधित गार्ड को हटाते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा चुकी है तथा वर्तमान में अस्पताल में तीन सुरक्षा गार्ड कार्यरत हैं। उपायुक्त ने सभी चिकित्सकों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में बाधा उत्पन्न करने अथवा अनुशासनहीनता बरतने वाले दोषी कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एकलव्य विद्यालय भंडरिया में शिक्षा,भोजन एवं आवासीय व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इसके उपरांत उपायुक्त ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, भंडरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं का भ्रमण कर छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा उन्हें दी जा रही शिक्षा, भोजन, पेयजल, आवासीय एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यालय में वर्तमान में 115 छात्र एवं 118 छात्राएं अध्ययनरत हैं। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की भोजन, पेयजल एवं आवासीय व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं सुव्यवस्थित पाई गईं। उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित एवं प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन, स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा नियमित शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। निरीक्षण के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश, विद्यालय के प्राचार्य विक्रम कुमार राव एवं अकाउंटेंट विकास कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

भंडरिया एवं बड़गड़ प्रखंड कार्यालयों का निरीक्षण, योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया जोर

उपायुक्त ने भंडरिया प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश भूषण सिंह से कार्यालयीन कार्यों एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। इसके बाद बड़गड़ प्रखंड के भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में सभी स्वास्थ्य कर्मी अपने-अपने कार्यों में उपस्थित पाए गए, किंतु डॉ. कृष्ण कुमार अनुपस्थित मिले। जानकारी मिली कि वे 6 जुलाई के बाद से अस्पताल नहीं आए हैं।

इस पर उपायुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध विभाग को संसूचित करने का निर्देश दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने अस्पताल में नियमित चिकित्सक की उपलब्धता, 247 स्वास्थ्य सेवा, एंबुलेंस सुविधा एवं सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता से उपायुक्त को अवगत कराया।

जनसुनवाई में उपायुक्त ने सुनीं आमजन की समस्याएं त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी पशुपति नाथ मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त श्री मिश्रा ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ एक-एक कर सुना तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मामलों का शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान राशन कार्ड, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, प्रधानमंत्री एवं अंबेडकर आवास, मुआवजा, सरकारी योजनाओं का लाभ, अतिक्रमण, रोजगार सृजन, मनरेगा भुगतान, बकाया वेतन सहित कई महत्वपूर्ण मामलों पर आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

मनरेगा के बकाया भुगतान की लगाई गुहार

मझिआंव प्रखंड के भुसुआ गांव निवासी खालिद खान ने उपायुक्त को आवेदन देकर बताया कि उनके खेत में मनरेगा योजना के तहत वृक्षारोपण कार्य कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी पौधे आज भी सुरक्षित एवं जीवित हैं तथा इस कार्य में लगभग 3 लाख 73 हजार रुपये की लागत आई थी। विभाग द्वारा अब तक केवल 79 हजार रुपये का ही भुगतान किया गया है, जबकि शेष राशि का भुगतान लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि बकाया राशि दिलाने के बजाय संबंधित मुखिया के पति द्वारा भुगतान नहीं होने देने की धमकी दी जाती है तथा रिश्वत की मांग भी की जाती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण पौधों की देखभाल एवं खाद-बीज की व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है। इस पर उपायुक्त ने संबंधित विभाग को मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई एवं भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कच्चे मकान में रह रहे आठ सदस्यीय परिवार ने मांगा अंबेडकर आवास

गढ़वा प्रखंड के कितासोती खुर्द गांव से पहुंचीं पार्वती कुंवर ने आवेदन देकर बताया कि उनका परिवार आज भी कच्चे एवं खपरैल मकान में रहने को विवश है। परिवार में कुल आठ सदस्य हैं और बरसात के दिनों में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उनका नाम आवास प्लस सूची में भी शामिल नहीं है, जिसके कारण अब तक उन्हें सरकारी आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका है। उन्होंने उपायुक्त से अंबेडकर आवास उपलब्ध कराने की मांग की ताकि उनका परिवार सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में रह सके। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत, कार्रवाई की मांग

रंका प्रखंड के गौरगाड़ा गांव निवासी श्यामनंदन प्रसाद ने अपनी पैतृक भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके स्वर्गीय नाना महराज साव द्वारा उन्हें बक्सीनामा के माध्यम से भूमि प्रदान की गई थी तथा उक्त भूमि का नामांतरण भी उनके नाम पर हो चुका है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने एवं विरोध करने पर मारपीट और झगड़ा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई अप्रिय घटना हो सकती है। उपायुक्त ने संबंधित एसडीओ को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

तीन माह से वेतन नहीं मिलने की शिकायत

भवनाथपुर प्रखंड के मकरी निवासी अमरेश कुमार ने जनसुनवाई में बताया कि वे वैदिक ज्ञान पब्लिक स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, लेकिन पिछले तीन महीनों से उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्यालय प्रबंधन वेतन देने से इनकार कर रहा है तथा नौकरी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने उपायुक्त से विद्यालय की जांच कराते हुए लंबित वेतन का भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नगर पंचायत में पुनर्नियोजन की लगाई गुहार

श्री बंशीधर नगर के नरही गांव निवासी भोला ठाकुर ने बताया कि वे वर्ष 2017 से श्री बंशीधर नगर पंचायत कार्यालय में अनुसेवक के पद पर कार्यरत थे और लगभग सात वर्षों तक पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में नगर प्रबंधक के पदस्थापन के बाद उन्हें कथित रूप से षड्यंत्रपूर्वक सेवा से हटा दिया गया। इससे उनके समक्ष आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है क्योंकि वे अत्यंत गरीब परिवार से आते हैं और आय का कोई अन्य साधन नहीं है। उन्होंने उपायुक्त से मानवीय आधार पर पुनः सेवा में योगदान देने की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने संबंधित एसडीओ को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संवेदनशीलता एवं समयबद्ध निष्पादन पर दिया विशेष जोर

जनसुनवाई के दौरान जिले के अन्य क्षेत्रों से आए कई लोगों ने भी अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। सभी मामलों में उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने सभी विभागीय पदाधिकारियों एवं कार्यालय प्रधानों को निर्देशित किया कि आमजन से प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं तत्परता के साथ निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन और जनता के बीच विश्वास का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बालूमाथ पुलिस की बड़ी कारवाई 100 टन अवैध कोयला जब्त

राजेश कुमार साव

बालूमाथ : लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध कोयला बरामद किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को बालूमाथ थाना क्षेत्र के भलुवाही ग्राम की ओर जाने वाली सड़क के किनारे जंगल में रखे करीब 100 टन अवैध भंडारण किए गए कोयले को जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली सूचना के आधार पर मेरे नेतृत्व एवं अमरवाडीह पिकेट प्रभारी अनुभव सिन्हा, सीसीएल मगध एवं सीआईएफ फोर्स एवं बालूमाथ पुलिस की टीम गठित की गई और छापेमारी कर 100 टन अवैध कोयला जब्त किया गया। वहीं पुलिस द्वारा इस कार्रवाई से अवैध कोयला माफियाओं में हड़कंप का माहौल व्याप्त है। मौके पर छापेमारी दल में मगध परियोजना के सुरक्षा प्रभारी वह सीआईएसएफ के सुरक्षा बल एवं बालूमाथ थाना के कई पुलिस बल के जवान शामिल रहे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने हरदियारी व दोकरी डैम का किया निरीक्षण, सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ करने का दिया भरोसा

गांव के बंद रास्ते को स्थानीय जनप्रतिथियों के सहयोग से मौके पर खुलवाया

▸▸ **बरडीहा जन वितरण प्रणाली के खाद्यान्न वितरण की जांच की एवं उपस्थिति लाभुकों से विक्रेता के व्यवहार एवं उचित मात्रा में खाद्यान्न वितरण की जानकारी ली**

झारखंड वार्ता संवाददाता

बरडीहा/गढ़वा। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने शनिवार की सुबह 6:30 बजे से प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर सिंचाई व्यवस्था, ग्रामीण समस्याओं एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान वे बरडीहा से रजवार टोला होते हुए हरदियारी डैम पहुंचे, जहां सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई का प्रमुख आधार बने चेक डैम का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से चेक डैम की मरम्मत कराई गई है। ग्रामीणों ने चेक डैम से निकलने वाली नहर की मरम्मत कराने की मांग की, साथ ही जीका स्थित दोकरी डैम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि यदि हरदियारी एवं दोकरी दोनों डैमों का समुचित जीर्णोद्धार और विकास कराया जाए, तो क्षेत्र की सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि इन डैमों का निर्माण पूर्व में ग्रामीणों के सहयोग से किया गया था। चूंकि डैम का क्षेत्र वन विभाग के अधीन आता है, इसलिए वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा, ताकि किसानों को अधिकतम सिंचाई सुविधा मिल सके।

भ्रमण के क्रम में श्री सिंह जीका दुर्गा मंदिर परिसर भी पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव के सार्वजनिक आवागमन मार्ग पर एक व्यक्ति द्वारा रास्ते की घेराबंदी कर दी गई है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया है। सूचना मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से घेराबंदी हटवाकर रास्ते को पुनः चालू कराया। इस अवसर पर बरडीहा प्रखंड के उप प्रमुख संकेंद्र पासवान, वशिष्ठ पासवान, ललेश्वर राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

राजा पहाड़ी शिव मंदिर में इस बार दिखेगी भव्यता और बेहतर व्यवस्थाएं : रामजी कांस्याकर

▸▸ **श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर राजा पहाड़ी में बैठक, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बदले जाएंगे प्रवेश-निकास मार्ग**

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय में स्थित ऐतिहासिक राजा पहाड़ी शिव मंदिर धाम में आयोजित होने वाले एक महीने की श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों को मंदिर परिसर में मंदिर विकास समिति की बैठक अध्यक्ष रामजी कांस्याकर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सावन मेले को हर वर्ष की भांति इस बार भी भव्य, व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मंदिर विकास और मेला संचालन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पिछले वर्षों में सावन की सोमवारी पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं के आवागमन की नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया। तय किया गया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं का प्रवेश बैल बाजार गली से कराया जाएगा, जबकि बाबा भोलेनाथ के दर्शन के बाद निकासी डॉ. सिद्धनाथ प्रसाद गली से होगी। समिति का मानना है कि इस व्यवस्था से भीड़ का दबाव कम होगा और श्रद्धालुओं को सुगमता एवं सुरक्षित तरीके से दर्शन का लाभ मिलेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, आकर्षक विद्युत सज्जा, झालर, साउंड सिस्टम, साफ-सफाई तथा पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने का निर्णय लिया गया।

साथ ही वाहनों के लिए अलग पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी, ताकि मेला क्षेत्र में यातायात बाधित न हो। बैठक में श्रावणी मेले के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन करते हुए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इसके अलावा मंदिर धाम के विस्तार एवं विकास को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। समिति ने निर्णय लिया कि सावन शुरू होने से पहले होने वाली अगली बैठक में पिछले दो वर्षों का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे विकास कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। बैठक मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष रामजी कांस्याकर ने कहा कि श्रावणी मेला आस्था का सबसे बड़ा पर्व है और हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा समिति की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा तथा हर व्यवस्था को समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में समिति के सचिव कामेश्वर प्रताप देव, नंदलाल प्रसाद, लखन सिंह, राजकुमार प्रसाद, अमरेंद्र कुमार, विनोद प्रताप देव, सुरेंद्र प्रसाद, लक्ष्मण राम, सुदामा पांडेय, मिक्की जायसवाल, ओम जायसवाल, जसवंत जायसवाल, अजय गुप्ता, विनय प्रसाद, लालमोहन यादव, ओमप्रकाश प्रसाद, अनिल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, लखन मेहता, नंदकिशोर पासवान, लालू बारी, संतोष कुमार, बबलू कुमार, नितेश शुक्ला, विक्की कुमार, रजत कुमार, दुर्गेश विश्वकर्मा,सुमित कुमार सहित मंदिर विकास समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

आर.के. पब्लिक स्कूल, उंचरी, मंझिआंव में अंतरवर्गीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

झारखंड वार्ता संवाददाता

मंझिआंव : आर.के. पब्लिक स्कूल, उंचरी, मंझिआंव में अंतरवर्गीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के लिए अलग-अलग फुटबॉल मैच आयोजित किए गए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल और खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य श्री के. आर. झा द्वारा सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के साथ हुई। अपने संबोधन में उन्होंने खिलाड़ियों को ईमानदारी, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाते हैं तथा उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों में भी सकारात्मक योगदान देते हैं। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में कक्षा 9 ने 2-0 से जीत दर्ज की, जिसमें आदर्श सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत के नायक बने। वहीं बालिका वर्ग में कक्षा 8 ने 1-0 से मुकाबला अपने नाम किया,

जिसमें अनु गुप्ता ने एकमात्र निर्णायक गोल कर अपनी टीम को विजय दिलाई।

इस अवसर पर आर.के. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष, प्रख्यात शिक्षाविद एवं लोकप्रिय समाजसेवी अलखनाथ पांडेय ने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों में भाग लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षा शिक्षक श्री जय गोविंद ठाकुर ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डीसी ने की जेएसएलपीएस की मासिक समीक्षा आजीविका गतिविधियों में तेजी लाने के दिए निर्देश

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में पलाश-जेएसएलपीएस (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी) की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस ऋत्विक मेहता, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, एवं जेएसएलपीएस के जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) ने किया। बैठक में पिछले माह की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2026-27 के विभिन्न लक्ष्यों एवं उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कृषि, पशुपालन, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), उद्यमिता विकास, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, बैंक लिंकेज, स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण, सामाजिक समावेशन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी प्रखंडों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों की आय बढ़ाने के लिए नवाचार अपनाने तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। बैठक में चैनपुर प्रखंड के चेडाबार बाजार में संचालित आजीविका गतिविधियों एवं वहां की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही बैंक लिंकेज, उद्यम पंजीकरण एवं एफएसएसएआई पंजीकरण जैसे लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (ढटखखइ) के अंतर्गत लाभुकों के चार आश्रितों को दो-दो लाख रुपये के डमी चेक प्रदान किए गए। इनमें आशा कुमारी (पति स्व. हेमंत कुमार रवि), सुनीता देवी (पति स्व. शिबन भूईयां), दिलदार अंसारी (पति स्व. नाबिया बीबी) एवं लक्ष्मण शर्मा (पत्नी स्व. रीना देवी) शामिल हैं।

अपने पोषक गुंडो के बल पर चंद्रवंशी समाज का जमीन लूटना चाहते हैं पूर्व मंत्री: सत्येन्द्रनाथ

दोषियों पर कार्रवाई के लिए एसपी से मिले विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी

▸▸ **एसपी से मिलकर समाहरणालय से बाहर निकलते विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी**

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा। भाजपा विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर अपने पोषक गुंडों के बल चंद्रवंशी समाज के लोगों का जमीन को लूटना चाहते है। जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही किया जाएगा। पूर्व मंत्री गढ़वा का पूरी तरह से अपराधिकरण कर दिया है। वे मारपीट में घायल चेतना गांव निवासी रूपम चंद्रवंशी सहित अन्य लोगों को लेकर शनिवार को एसपी से मिलने पहुंचे थे। मारपीट में घायल रूपम चंद्रवंशी ने विधायक को बताया कि उनलोगों का चेतना पहाड़ के समीप सैकड़ों वर्ष से जमीन पर दखल-कब्जा है। उक्त जमीन को शारूख अली खान सहित अल्पसंख्यक समाज के अन्य लोग, जो असमाजिक गतिविधियां में संलिप्त रहते है। उक्त लोग जमीन को लूटना चाहते है। साथ उक्त जमीन से मिट्टी-मोरम का खनन भी करते है। उसी का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की घटना हुई है। रूपम ने बताया कि उसके साथ बेरहमी के साथ मारपीट की घटना हुई है। मारपीट करने वाले लोगों ने कहा कि तुमको जहां जाना है जाओ, मुझे पूर्व मंत्री कुछ नही होने देंगे। विधायक ने एसपी से मारपीट के घटना में सलिप्त लोगों पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा है। विधायक ने सवलिया लहजे में पूछा कि लगातार चंद्रवंशी समाज के लोगों को टारगेट किया जा रहा है और इक्के-दुक्के चंद्रवंशी समाज के स्वयंभू कथित नेता पूर्व मंत्री के यहां दलाली और दरबारी करने में लगे हुए है।

चंद्रवंशी समाज के साथ हो रहे अन्याय पर वैसे लोगों का मुंह क्यों नही खुल रहा है। विधायक ने कहा कि चंद्रवंशी समाज के लोगों की जमीन से मोरम-मिट्टी का अवैध खनन के मामलें को दिशा की बैठक में उठाया था। उसके बाद डीसी ने उक्त मामलें में कमेटी गठित कर कार्रवाई का भरोसा दिया था। इस मामलें में सोमवार को डीसी से भी मुलाकात कर अब तक किए गए कार्रवाई के बारे में जानकारी लेंगे। विधायक ने कहा कि झारखंड में चल रही झामुमो, कांग्रेस और राजद का महागठबंधन सरकार अब चंद दिनों की मेहमान है।

महागठबंधन सरकार का अकाल मृत्यु होना तय है। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुका है। झारखंड की महागठबंधन सरकार पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार की तरह तानाशाही व्यवस्था के तहत चल रही है। पश्चिम बंगाल की तरह झारखंड में भी इस सरकार का सत्यानाश तय है। इस दौरान भाजपा नेता विवेकानंद तिवारी, मुरारी यादव, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत सरकार की पहल पर नगर पंचायत मझिआंव में 'कैच द रेन 2026' को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड वार्ता संवाददाता

मझिआंव। भारत सरकार की पहल पर नगर पंचायत मझिआंव में 'कैच द रेन 2026' के तहत बैठक, प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत मझिआंव की माननीय अध्यक्ष महोदया एवं कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा 'कैच द रेन 2026' की गाइडलाइन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान नगर पंचायत क्षेत्र की जनता से अपील की गई कि जल संचयन को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल को एकत्रित करने के लिए अपने-अपने घरों की छतों से वर्षा जल संचयन की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा ग्राउंडवाटर रिचार्ज को बढ़ावा दें, ताकि जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सके। कार्यक्रम में नगर पंचायत के नगर प्रबंधक सहित सभी कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

बालू पंचायत में कांग्रेस का एसआईआर जागरूकता अभियान, ग्रामीणों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

बालूमाथ (राजेश कुमार साव): प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद आमिर हयात के नेतृत्व में बालू पंचायत में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व बालू पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद साबिर ने किया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को एसआईआर की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं समय पर आवेदन सत्यापन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एसआईआर से संबंधित अपनी विभिन्न समस्याएं और शंकाएं कांग्रेस कार्यकताओं के समक्ष रखीं, जिनका समाधान करने का प्रयास किया गया। प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद आमिर हयात ने कहा कि किसी भी नागरिक को जानकारी के अभाव या तकनीकी समस्याओं के कारण अपने अधिकारों से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि एसआईआर से संबंधित सभी कार्य समय पर पूरा करें तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं से संपर्क करें। इस मौके पर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष कर्मदेव भगत, बादल, प्रिंस, जितेंद्र, आजाद, आबिद, अफजल, सरवर सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज ट्रेक

भरत एनकाउंटर- न्यायिक आयोग के सामने मां-पिता का बयान दर्ज

पिता बोले- घटना के बाद थाने में कैद किया, आज नहीं हुई दोनों भाई-भाभी की गवाही

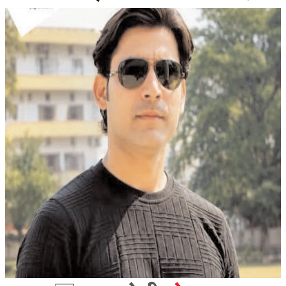

एजेसी भोजपुर

भोजपुर के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच तेज हो गई है। न्यायिक आयोग के अध्यक्ष ने शनिवार को भरत तिवारी की मां आशा देवी, पिता काशीनाथ तिवारी के अलावा दोनों भाई और भाभी को बयान दर्ज करवाने के लिए बुलाया था। लेकिन बयान दर्ज करवाने मां-पिता ही पहुंचे। भरत तिवारी के दोनों भाई और भाभी नहीं पहुंचे।

भरत तिवारी के वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया कि आयोग के समक्ष माता-पिता का बयान दर्ज हो गया है। आयोग के सामने भरत तिवारी की मां ने एनकाउंटर की आंखों देखी बात बताई है। वकील के अनुसार, भरत तिवारी के पिता ने आयोग के सामने कहा कि घटना वाले दिन पुलिस मुझे थाना ले गई और पूरी रात वहीं रखा गया।

गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू

वकील विष्णुधर पांडेय ने कहा कि फिलहाल न्यायिक जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। अभी सिर्फ माता-पिता का बयान दर्ज किया गया है। कई अन्य गवाहों की गवाही बाकी है।

इनमें भरत तिवारी के दोनों भाई और भाभी के अलावा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पहले गवाही की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई स्पष्ट होगी।

बता दें कि आयोग के अध्यक्ष हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा की मौजूदगी में गवाही की प्रक्रिया पूरी की गई। बताया जा रहा है कि भरत तिवारी की भाभी सुमन देवी और भाई चंदन तिवारी ने आयोग से अलग डेट पर बयान दर्ज कराने की मांग की है।

आयोग कार्यालय में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

आयोग ऑफिस में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इंस्पेक्टर संतोष कुमार के नेतृत्व में दो दरोगा, एक सेक्शन राइफल पार्टी के जवान और चार लाठीधारी पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। आयोग परिसर में आने-जाने वालों की निगरानी भी की जा रही थी।

भरत तिवारी की मां और पिता आयोग कार्यालय पहुंचे तो उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुनवाई कक्ष में प्रवेश कराया गया, जहां आयोग ने उनके बयान दर्ज किए।

'थाने में सुबह से शाम तक क्यों कैद किया गया'

भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने कहा कि थाने में मुझे सुबह से लेकर शाम तक कैद रखा गया। उधर, मेरे बेटे के साथ गलत किया गया। पता नहीं कब तक हमें न्याय मिलेगा।

भरत की आशा देवी ने कहा कि मेरी गवाही हुई है। आयोग के सामने एसडीएम, डीएसपी, इंस्पेक्टर, एसटीएफ के अक्षय कुमार के नाम लिए है। एक घंटे तक जज से मेरी बात हुई है। देखिए कब तक आरोपियों की गिरफ्तारी होती है। भरत के मोबाइल के बारे में भी अपनी बात रखी है।

2 गवाहों को 13 जुलाई को बुलाया

वहीं, जवइनिया गांव के दो गवाहों को 13 जुलाई को बुलाया गया है। ये दोनों वर्तमान में पुनर्वास टाउनशिप में रह रहे हैं। आयोग ने सभी गवाहों से मामले से संबंधित तथ्य, घटनाक्रम और अपने-अपने पक्ष को विस्तार से रखने को कहा है, ताकि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ सके।

सिविल कोर्ट में दर्ज किया गया 164 के तहत बयान

बुधवार यानी 8 जुलाई को आरा सिविल कोर्ट में धारा 164 के तहत माता-पिता का बयान दर्ज कराया गया। कोर्ट में बयान के दौरान आशा देवी ने बताया कि 16 जून को शाहपुर पुलिस पहली बार हमारे घर पहुंची थी। उस समय भरत के हाथ में पिस्टल थी, लेकिन परिवार के सभी लोगों ने उसे हथियार फेंककर आत्मसमर्पण करने की सलाह दी थी। इसके बावजूद भरत को लगातार आशंका थी कि उसके खिलाफ साजिश रची जा चुकी है।

कोर्ट का फैसला: राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में तीन माह की जेल, पत्नी पर लगा जुर्माना

एजेन्सी, नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। चेक बाउंस के मामलों में अदालत ने उनकी सजा बरकरार रखते हुए निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि उन्हें बकाया रकम चुकाने के कई मौके दिए गए, लेकिन वह अपने वादे पूरे नहीं कर सके। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने उनके आचरण को संदिग्ध बताते हुए तीन महीने की जेल की सजा बरकरार रखी। केस में उनकी पत्नी राधा यादव भी आरोपी हैं पर भी जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए दो महीने का समय दिया गया है।

राजपाल यादव 'हंगामा', 'चुप चुप के' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। हाल ही में उन्हें अक्षय कुमार के साथ भूत बंगला में भी देखा गया था। जेल की सजा के साथ अदालत ने हर मामले में 1.05 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है. इस तरह चेक बाउंस के सातों मामलों में कुल जुर्माना 7.35 करोड़ रुपये बनता है। प्रत्येक मामले में 1 करोड़ 4 लाख 75 हजार रुपए शिकायतकर्ता को दिए जाएंगे जबकि 25 हजार रुपए राज्य को जमा कराए जाएंगे। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि राजपाल यादव यदि इस फैसले को चुनौती देना चाहते हैं। यह पूरा मामला अभिनेता की फिल्म 'अता पता लापता' के निर्माण से जुड़ा है। साल 2010 में इस फिल्म के लिए राजपाल यादव ने मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था।

खतरे के संकेत: सुपर टायफून बावी से देश में धीमा पड़ेगा मानसून, राजस्थान-गुजरात से बादल गायब

एजेन्सी, नई दिल्ली

देश के मानसून के लिए एक और बुरी खबर है। फिलीपींस के पास प्रशांत महासागर में सुपर टायफून 'बावी' बना है। यह ताइवान और चीन की ओर बढ़ रहा है। इसका असर 3 से 4 हजार किमी दूर बंगाल की खाड़ी तक पड़ रहा है। जब तक यह तूफान चीन नहीं पहुंचता, तब तक बंगाल की खाड़ी में बारिश कराने वाला नया सिस्टम बनने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में दो दिन बाद देश के कई हिस्सों में बारिश कम हो सकती है। अच्छी बारिश के लिए अगले करीब एक हफ्ते तक इंतजार करना पड़ सकता है।

देश ने पूरे मानसून को कवर कर लिया है, लेकिन शुक्रवार को सामने आई तस्वीरें परेशान करने वाली हैं। मौसम विभाग की सैटेलाइट इमेज में मध्य भारत में मानसून ज्यादा एक्टिव है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर तक बादल हैं। दूसरी ओर, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी हिस्सों में बादल कम हैं। यहां आने वाले दिनों में बारिश की कम संभावनाएं दिख रही हैं।

हरिद्वार के नीलधारा में एक पर्यटक की थार फंस गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से गाड़ी को बाहर निकाला गया।

मानसून ने पूरे देश को कवर कर लिया। इसे पूरे देश को कवर करने में 38 दिन लगते हैं, लेकिन इस बार 36 दिन में ही कवर कर लिया। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन बाद मानसून की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

पटना के एलएनजेपी हॉस्पिटल में वाटर लॉगिंग, गली-मोहल्ले पानी-पानी

डीएमसीएच में घुटने तक पानी, बिजली से 2 मौतें; 13 जिलों में बारिश, 26 में अलर्ट

एजेसी पटना

पटना समेत 15 जिलों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। बांका, बक्सर, खगड़िया, किशनगंज, मधुबनी, जहानाबाद समेत कई जिलों में बादल छाए हैं। बारिश के बाद कई जिलों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

दरभंगा में नगर निगम ऑफिस, टाउन हॉल रोड, एलएनजेपी कॉलेज परिसर और मेडिसिन वार्ड में पानी भर गया, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बेगूसराय के कई इलाकों में सड़कों पर 2 से 3 फीट पानी भरा है।

पटना के मोकामा रेफरल अस्पताल में बारिश का पानी सीड़ियों से होते हुए वार्ड तक पहुंच गया। इस कारण , दवा वितरण केंद्र और रजिस्ट्रेशन काउंटर ठप हो गया। इलाज के लिए पहुंचे लोग खड़े होने के लिए जगह तलाशते रहे।

वहीं, पटना के मुख्य सचिवालय में पानी भर गया। राजवंशी नगर स्थित एलएनजेपी हॉस्पिटल में पानी भरा है। डॉक्टर्स के चेंबर तक पानी आ चुका है। इसके अलावा राजीव नगर, पटना सिटी के कई गली-मोहल्लों में घुटने तक पानी भरा है।

मौसम विभाग ने आज राज्य के 26 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। साथ ही 40किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। बाकी 12 जिलों में बादल छाए रहेंगे।

इधर, सहरसा में 2 जगहों पर बिजली गिरने से नाबालिग और एक महिला की मौत हो गई। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है।

ऐसा मौसम क्यों बना हुआ है?

मौसम विभाग के विशेषज्ञों के अनुसार, बिहार में मौसम बदलने की मुख्य वजह मानसून ट्रफ का राज्य के आसपास सक्रिय रहना है। साथ ही बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी वाली पूर्वी हवाएं बिहार की ओर आ रही हैं। इन दोनों सिस्टम के प्रभाव से वातावरण में पर्याप्त नमी बनी हुई है, जिससे बादल तेजी से विकसित हो रहे हैं। यही कारण है कि कई जिलों में तेज हवा, गरज-चमक और बारिश की गतिविधियां लगातार देखने को मिल रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगले 24 से 48 घंटे तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में ऐसा ही मौसम बना रह सकता है। कहीं-कहीं भारी बारिश भी हो सकती है। बीते 24 घंटे में पटना, पूर्णिया समेत 13 जिलों में बारिश हुई। इनमें पश्चिम चंपारण जिले में अति भारी बारिश हुई, वहीं गोपालगंज, वैशाली, पूर्णिया और मधेपुरा को छोड़कर अधिकतर जिलों में नाम मात्र का पानी गिरा।

दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी शेख हसीना

हसीना ने कहा-कोर्ट में सरेंडर करूंगी, देश की मिट्टी पर मरना चाहती हूं

एजेन्सी, नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश देश लौटेंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवामी लीग के कई सीनियर नेता भी बांग्लादेश लौटकर आत्मसमर्पण करेंगे। हसीना ने कहा कि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगातार कार्रवाई हो रही है। हसीना 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद उन्हें छात्र आंदोलन पर कार्रवाई से जुड़े मामले में मौत की सजा सुनाई गई। शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश लौटने को लेकर सरकार से कोई बातचीत नहीं की है। लोकतंत्र, चुनाव, अवामी लीग के राजनीतिक अधिकार और न्याय जैसे मुद्दों पर पर्दे के पीछे बातचीत नहीं हो सकती। हसीना ने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस भेजने के लिए भारत को पत्र लिख रही है। मुझे वापस लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, मैं खुद ही लौटूंगी।

चीन के जिनजियांग में जूता फैक्टरी में आग लगने से 28 की मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पूर्वी फुज़ियान प्रांत के जिनजियांग शहर स्थित एक जूते की फैक्टरी में भीषण आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई, जबकि 211 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे के वक्त फैक्टरी परिसर में कुल 239 कर्मचारी मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जूता निर्माता कंपनी हुइटेंग की बहुमंजिला फैक्टरी में लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि कई कर्मचारी इमारत की छत पर फंस गए। सरकारी मीडिया द्वारा जारी वीडियो में इमारत से उठती ऊंची लपटें और आसमान में फैलता घना काला धुआं देखा गया। घटना के समय फैक्टरी में 239 कर्मचारी मौजूद थे। बचाव दल ने 213 लोगों को बाहर निकाल लिया, लेकिन इसमें से दो कर्मचारियों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई और लापता 26 अन्य कर्मचारियों के शव बाद में बरामद हुए।

अजय देवगन की मूवी में भोजपुरी सिंगर की एंट्री

3 साल में हारमोनियम पकड़ी, 5 साल में पहला एल्बम बनाया; नीलकमल सिंह को कैसे मिली धमाल-4

एजेसी बक्सर

पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, अक्षरा सिंह के बाद अब भोजपुरी के एक और सिंगर नीलकमल सिंह की बॉलीवुड में एंट्री हो गई है। अजय देवगन की मूवी 'धमाल-4' सिनेमाघरों में शुक्रवार को रिलीज हुई है। रिलीज से पहले मूवी का गाना 'चटनी' सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसे बक्सर जिले के चौसा प्रखंड के रहने वाले भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह ने आवाज दी है।

नीलकमल सिंह के चटनी गाने को यूट्यूब पर 20 दिनों में 21 मिलियन लोग देख चुके हैं। गाने में फीमेल सिंगर के रूप में ममता शर्मा की आवाज है। गाने को धीरज बबुआन ने लिखा है, जबकि म्यूजिक नीलकमल सिंह और आदित्य देव ने दिया है। गाने को राहुल शेट्टी ने कोरियोग्राफ किया है। धमाल-4 में अजय देवगन के साथ, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा के साथ-साथ ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, रवि किशन मुख्य कैरेक्टर में हैं। फिल्म को इंद्र कुमार ने डायरेक्ट किया है।

नीलकमल सिंह ने अब तक किसी भोजपुरी मूवी में काम नहीं किया है। वो सीधे बॉलीवुड में सिंगर और एक्टर के तौर पर एंट्री की है। भोजपुरी एक्टर नीलकमल सिंह कौन हैं? उनकी गायकी की शुरुआत कैसे हुई? पढ़ाई-लिखाई कहां तक हुई है? घर परिवार में कौन-कौन हैं? नीलकमल सिंह की नेटवर्थ क्या है? पढ़िए पूरी रिपोर्ट।

सबसे पहले जानिए नीलकमल सिंह की सिंि+गंग की शुरुआत की कहानी

नीलकमल सिंह के पिता सुशील सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि हम लोग बक्सर जिले के चुन्नी गांव के रहने वाले हैं। मैं और मेरी पत्नी ग्रामीण डॉक्टर थे। बच्चे छोटे थे, तभी हम लोग चौसा आ गए थे, वहां एक क्लिनिक खोली थी।मुझे म्यूजिक से लगाव था। इसलिए साल 2001 में हारमोनियम खरीदकर लाया था। नीलकमल उस समय तीन साल का था। मैं हारमोनियम लेकर आया तो वो भी इसे बजाने की कोशिश करता था। एक-दो साल तक घर में ही रियाज किया। वे कहते हैं, 'साल 2001 में गांव के एक स्कूल में सरस्वती पूजा का कार्यक्रम था। कार्यक्रम में जिस शख्स को हारमोनियम बजाना था, वो नहीं आया तो स्कूल के लड़के नीलकमल को अपने साथ स्कूल ले गए। लेकिन नीलकमल वहां से भागकर घर आ गए।

हरित क्रांति की ओर भारत

17 जुलाई को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का होगा शुभारंभ

चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्टरी में तैयार हुई आठ कोच की ट्रेन प्रधानमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी

एजेन्सी, जींद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड पर देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन आधारित यात्री ट्रेन तथा जींद और नरवाना के नवनिर्मित अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर के साथ भारत हाइड्रोजन ट्रेन संचालित करने वाला दुनिया का पांचवां देश बन जाएगा। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से संचालित यह ट्रेन पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में भारतीय रेलवे की महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन में 8 कोच होंगे। इसे चेन्नई की 'इंटीग्रल कोच फैक्टरी' में तैयार किया गया है, जो हाईड्रोजन से चलती है। एक बार हाईड्रोजन फ्यूल भरने पर यह 350 से 360 किमी तक चल सकेगी। यह आम पैसेंजर ट्रेनों जैसी ही होगी। ट्रेन में आठ फ्यूल सेल लगे हैं। ट्रेन की स्पीड 130 किलोमीटर से भी अधिक की है, लेकिन कमर्शियल रन में यह अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ही दौड़ेगी।

यह ट्रेन जींद से सोनीपत रूट पर चलेगी। इस रूट की कुल लंबाई 89 किलोमीटर है। आम जनता की जेब को ध्यान में रखते हुए इसका किराया बेहद किफायती रखा गया है। जींद-सोनीपत के बीच का किराया मात्र 5 रुपये से लेकर 25 रुपये के बीच होगा। ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलाई जाएगी। हर दिन दो फेरे लगेंगे। सप्ताह में एक दिन रेस्ट डे होगा जब इसकी मेंटेनेंस होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 जुलाई को हाइड्रोजन ट्रेन के साथ- साथ जींद व नरवाना में नवनिर्मित अमृत भारत स्टेशन का भी उद्घाटन किया जाएगा। इस राष्ट्रीय उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए नार्दन रेलवे कई शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करेगा। उद्घाटन के बाद हाइड्रोजन ट्रेन में जींद से सोनीपत 50 स्कूली विद्यार्थी जाएंगे। उनके साथ शिक्षक भी जाएंगे। जींद खंड शिक्षा अधिकारी सरोज श्योकंद ने कहा कि निबंध प्रतियोगिता करवान के लिए संबंधित इंचार्ज को निर्देश दे दिए हैं।

अजीत पवार प्लेन क्रैश: फाइनल रिपोर्ट जनवरी में आने की उम्मीद

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत की अंतिम रिपोर्ट अगले साल जनवरी तक सौंपे जाने की उम्मीद है। दरअसल, पवार और चार अन्य लोगों की इस साल 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के पास लेयरजेट 45 विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी, जिसके बाद विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने जांच शुरू की थी। विधानसभा में विपक्ष की ओर से प्रायोजित पिछले सप्ताह के प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि एएआईबी से अगले साल जनवरी तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है।

ब्रीफ न्यूज

1100 साल पुराने शिव मंदिर का भारत करेगा कायाकल्प

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मुस्लिम बहुल देश इंडोनेशिया के अपने दौरे के दौरान सदियों पुराने प्रम्बानन मंदिर का भ्रमण किया, जो इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। योग्याकार्ता शहर से करीब 17 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित 1100 साल पुराना यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल अब भारत की सहायता से पुनर्जीवित होगा। दोनों देशों ने इस महत्वपूर्ण प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर काम करने के लिए आशय पत्र का आदान-प्रदान किया है, जो भारत और इंडोनेशिया की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर के भव्य दृश्यों वाला वीडियो भी साझा किया, जिसे उन्होंने भव्य प्रम्बानन मंदिर! कहकर संबोधित किया। एक अन्य वीडियो में वे मंदिर में प्रार्थना करते हुए भी दिखाई दिए। संयुक्त प्रेसवार्ता में पीएम मोदी ने संरक्षण परियोजना के शुभारंभ को भारत और इंडोनेशिया के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का परिचायक बताया था।

नो मोर इंडियंस के नारे लगाने वाला युवक गिरफ्तार

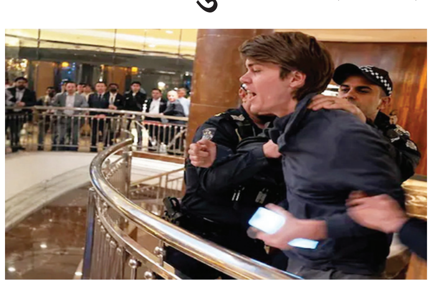

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान उस होटल के बाहर एक युवक ने हंगामा करने की कोशिश की, जहां पीएम मोदी ठहरे हुए थे। हालांकि, त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने उस शख्स को तुरंत हिरासत में ले लिया। इस घटना के बावजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेलबर्न में निर्धारित सभी कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक पूरे हुए, जिससे यह सुनिश्चित हो सका कि उनका आधिकारिक दौरा अप्रभावित रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी मेलबर्न के जिस होटल में रुके हुए थे, उसके बाहर देर रात करीब 12:30 बजे एक 22 वर्षीय युवक अचानक हंगामा करने लगा। वह जोर-जोर से नो मोर इंडियंस जैसे आप्रवासन विरोधी नारे लगा रहा था। युवक का कहना था कि यह ऑस्ट्रेलिया है और हमें अब और भारतीय प्रवासी नहीं चाहिए, क्योंकि यह देश सिर्फ ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए है।

दहशत में ट्रंप बोले- ईरान मेरी हत्या करे तो सबकुछ खत्म कर देना

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को एक कड़ा और चेतावनी भरा संदेश दिया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि यदि ईरान उनकी हत्या करने में सफल होता है, तो उसे ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने पहले से ही एक आदेश दे रखा है, जिसके तहत ईरान पर दुनिया का सबसे बड़ा जवाबी हमला किया जाएगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने इसी सप्ताह यह स्वीकार किया कि वह ईरान की हिट लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। ट्रंप लगातार यह दावा करते रहे हैं कि ईरान उन्हें अपना नंबर वन टारगेट मानता है। तुर्की के नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान भी उन्होंने इसी बात को दोहराया था। इजरायल की खुफिया जानकारी में भी ट्रंप के खिलाफ कथित नए हत्या के प्लान का दावा किया गया है, हालांकि ट्रंप ने स्वयं यह भी माना कि उनके पास किसी नए हमले की ठोस जानकारी नहीं है। उनका कहना है कि ईरान सालों से उन्हें मारना चाहता है। यह बयान ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ट्रंप के खिलाफ लगाए गए नारों, जिनमें उन्हें मारने जैसी बातें शामिल थीं, के बाद आया है। ईरान 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने की बात करता रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बना हुआ है।

भारत के खिलाफ पाक का मददगार तुर्की पर मेहरबान हुए ट्रंप

अंकारा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की को एक बड़ी राहत देने का ऐलान किया है, जिसमें उन्होंने साल 2020 में तुर्की पर लगाए गए अमेरिकी बैन को हटाने की बात कही। यह बैन तब लगाया गया था जब तुर्की ने रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद की थी, जिससे अमेरिका के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। यह घोषणा अंकारा में हुई, जबकि तुर्की वही देश है जिसे आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान का करीबी दोस्त माना जाता है। पूर्व में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, तुर्की के ड्रोनों की मदद से ही पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ कई दिनों तक हमले किए थे, हालांकि भारत ने इन हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया और मुंहतोड़ जवाब दिया था। ट्रंप ने अंकारा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अमेरिका तुर्की पर 2020 में लगाए गए प्रतिबंधों को हटाएगा। नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान बेस्टेपे प्रेसिडेंशियल कंपाउंड में तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन के साथ खड़े होकर ट्रंप ने इस फैसले की पुष्टि की। हालांकि, जब यह सवाल किया गया कि क्या तुर्की अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने वाला है, तो ट्रंप ने कोई सीधा वादा नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला लिया जाएगा और उन्होंने एफ-35 को अब तक का सबसे बेहतरीन फाइटर जेट बताया। ट्रंप प्रशासन भले ही तुर्की पर लगे बैन को खत्म करने के लिए कदम उठाए, लेकिन ऐसे किसी भी कदम पर अमेरिकी कांग्रेस में समीक्षा होगी। इससे सांसदों को आपत्ति जताने का अवसर मिलेगा, क्योंकि कांग्रेस में इस फैसले का विरोध हो सकता है। साल 2017 में अमेरिकी कांग्रेस ने भारी बहुमत से एक अधिनियम पारित किया था, जो रूस के साथ बड़े रक्षा या खुफिया लेनदेन करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है। इसके अतिरिक्त, 2020 का राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम स्पष्ट रूप से अमेरिका को तुर्की को एफ-35 लड़ाकू जेट स्थानांतरित करने से रोकता है। पिछले महीने, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया था कि रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के नेतृत्व में पेंटागन के अधिकारी इस बात की समीक्षा कर रहे थे कि क्या तुर्की ने एफ-35 प्राप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा निर्धारित कानूनी मानदंडों को पूरा किया है। सेनेटर लिंडसे ग्राहम, जो ट्रंप के करीबी सहयोगी हैं, ने मंगलवार को पहले ही चेतावनी दी थी कि इस अधिनियम को हटाने के कदम का कांग्रेस में विरोध हो सकता है।

मध्य पूर्व में तेज हुई कूटनीति क्या थमेगा तनाव या भड़केगी जंग?

तेहरान

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच कूटनीतिक गतिविधियाँ अपने चरम पर पहुँच गई हैं। एक ओर ईरान ने पहले पाकिस्तान और अब सऊदी अरब से फोन पर बात कर क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच भी गहन चर्चा हुई है। इन कूटनीतिक प्रयासों से क्षेत्र में शांति की उम्मीद जगी है, या यह केवल तूफान से पहले की खामोशी है, यह देखना बाकी है। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान से फोन पर बातचीत की। ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम, विशेषकर अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद बनी स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। इस बातचीत में मौजूदा हालात पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ और भविष्य में क्षेत्रीय घटनाक्रम पर परामर्श जारी रखने पर सहमति बनी। यह संपर्क तब हुआ है जब पूरे मध्य पूर्व में तनाव चरम पर है और ईरान विभिन्न देशों के साथ लगातार संवाद स्थापित कर रहा है ताकि क्षेत्रीय हालात पर आम सहमति बनाई जा सके। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी नेतन्याहू से शुक्रवार को फोन पर बात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, दोनों नेताओं ने अमेरिका और इजरायल के बीच विभिन्न क्षेत्रों में घनिष्ठ रणनीतिक समन्वय बनाए रखने पर सहमति जाहिर की। राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में हुए अमेरिकी घटनाक्रमों से अवगत कराया। फोन पर हुई चर्चा के दौरान, नेतन्याहू ने तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन और उनके अधिकारियों द्वारा इजरायल के अस्तित्व के खिलाफ दिए गए बयानों की गंभीरता का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही उन्होंने इजरायल की सीमाओं पर सुरक्षा क्षेत्र बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जो क्षेत्र में उनकी सुरक्षा चिंताओं को दर्शाता है।

ट्रंप का ऐलान, अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर बनाने की देगा इजाजत

अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन में जेलेंस्की से ट्रंप ने की मुलाकात

वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अमेरिका जल्द ही यूक्रेन को अपने देश में पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर बनाने की इजाजत देगा। इसे रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन की रक्षा क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। ट्रंप ने यह घोषणा तुर्की की राजधानी अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद की। बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि उनकी और जेलेंस्की की बातचीत काफी सकारात्मक रही। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन की हवाई सुरक्षा, रूस के साथ जारी युद्ध, शांति वार्ता और भविष्य की सुरक्षा व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की के साथ मुलाकात बेहद अच्छी रही और उन्हें लगता है कि यह बैठक सही समय पर हुई। ट्रंप ने कहा कि हम देखेंगे कि यूक्रेन की मदद के लिए और क्या किया जा सकता है। बैठक से पहले जेलेंस्की ने भी उम्मीद जताई थी कि अमेरिका यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने में और सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता रूस के लगातार बढ़ते मिसाइल और ड्रोन हमलों से अपने शहरों और अहम बुनियादी ढांचे की रक्षा करना है। ट्रंप ने जेलेंस्की के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रूस जैसी बड़ी सैन्य ताकत का सामना करने के बावजूद जेलेंस्की ने अपने देश का प्रभावी नेतृत्व किया है और कठिन परिस्थितियों में मजबूती दिखाई है। हालांकि, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध समाप्त करने के लिए और कड़ा दबाव बनाएंगे, तो उन्होंने किसी नए कदम की घोषणा नहीं की। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि युद्ध खत्म कराने के लिए पहले से ही सभी पक्षों पर पर्याप्त दबाव है और अमेरिका शांति स्थापित करने के प्रयास जारी रखेगा। भविष्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ट्रंप ने कहा कि अगर रूस और यूक्रेन के बीच कोई शांति समझौता होता है, तो अमेरिका अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर ऐसी सुरक्षा व्यवस्था तैयार करेगा, जिसका सभी पक्ष सम्मान करें। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में वह यूक्रेन का दौरा करने पर विचार कर सकते हैं।

सूरज में उठा खतरनाक और विनाशकारी एक्स-क्लास सौर तूफान

मास्को। सूरज में अब तक का सबसे खतरनाक और महा-विनाशकारी एक्स-क्लास सौर तूफान उठा है, जो अपनी शक्ति और तीव्रता के लिए जाना जाता है। विज्ञान की रेटिंग में इससे ज्यादा तबाही मचाने वाला और कोई विस्फोट हो ही नहीं सकता। सूरज की सतह पर एक के बाद एक भयानक धमाके हो रहे हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चिंता में डाल दिया है। इस खौफनाक घटना के बाद से ही दुनिया भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के हाथ-पांव फूल गए हैं और पृथ्वी पर इसके पड़ने वाले जानलेवा असर को लेकर एक बड़ा अलर्ट जारी कर दिया गया है। रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज की सोलर लैबोरेट्री ने इस बात पर मुहर लगा दी है कि ये प्रचंड विस्फोट आधी रात के आस-पास रिकॉर्ड हुआ था। इन सौर तूफानों को उनकी ताकत और विनाशकारी क्षमता के हिसाब से ए, बी, सी, एम और एक्स कैटेगरी में बांटा जाता है। इसमें हर अगला लेवल पिछले वाले से 10 गुना ज्यादा खतरनाक होता है और इस लिस्ट में सबसे टॉप पर आने वाला एक्स-क्लास ही होता है, जो सीधे तौर पर धरती को बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जब भी सूरज में इतना बड़ा एक्स-क्लास का धमाका होता है तो उसके साथ भारी मात्रा में दहकते हुए प्लाज्मा के विशाल बादल अंतरिक्ष में तैरने लगते हैं। चार्ज्ड पार्टिकल्स का ये जानलेवा सैलाब जब सीधे हमारी धरती के वायुमंडल से टकराएगा तो यहां एक भयानक मैग्नेटिक तूफान तबाही मचा सकता है, जिससे हमारे आधुनिक जीवन पर गंभीर असर पड़ेगा।

अंतरिक्ष में उड़ान भरने को तैयार भारतीय मूल के मेनन

वाशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर कॉस्मोड्रोम से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए आठ महीने के महत्वपूर्ण मिशन पर रवाना होने वाले है। यह उड़ान रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से भरी जाएगी, जिसमें उनके साथ रूसी अंतरिक्ष यात्री अन्ना किकिना और प्योत्र दुब्रोव भी शामिल हो रहे है। मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे 49 वर्षीय मेनन आपातकालीन चिकित्सा चिकित्सक होने के साथ-साथ अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं। अपने सैन्य करियर के दौरान उन्होंने अफगानिस्तान में ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम के तहत अग्रिम मोर्चे पर सेवा दी और हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ काम करते हुए माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों का इलाज किया। उन्होंने भारत में एक वर्ष तक रोटरी एंबेसडोरियल स्कॉलर के रूप में भी कार्य किया, जहाँ उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियानों का अध्ययन और समर्थन किया। मेनन का करियर 2014 में नासा में फ्लाइट सर्जन के रूप में शुरू हुआ, जहाँ उन्होंने आईएसएस पर काम करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के साथ निकटता से कार्य किया। 2018 में उन्होंने स्पेसएक्स में योगदान दिया, कंपनी के मेडिकल कार्यक्रम की शुरुआत की और पहली मानव अंतरिक्ष उड़ानों की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिसंबर 2021 में उन्हें नासा के अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया। उनकी पत्नी अन्ना विल्हेम भी एक अंतरिक्ष यात्री हैं। आईएसएस पर अपने आठ महीने के प्रवास के दौरान, मेनन मानव शरीर पर लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने के शारीरिक प्रभावों का अध्ययन करने के साथ-साथ सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के रक्त प्रवाह और नसों की संरचना पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच करने वाले है।

8 माह का होगा मिशन

एआई के कारण बिजली और पानी की खपत हो सकती है दोगुनी: यूएन

कैलिफोर्निया

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञों का कहना है कि एआई मॉडल को संचालित करने वाले विशाल डेटा सेंटरों को ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में पानी और बिजली की आवश्यकता होती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई कंपनियों से बिजली, पानी और भूमि के उपयोग का विस्तृत विवरण मांगा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेष के अनुसार, यदि एआई का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो आने वाले चार वर्षों में इससे जुड़ी बिजली और पानी की खपत लगभग दोगुनी हो सकती है। एआई आधारित सेवाओं जैसे चैटबॉट या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पूछे गए प्रत्येक प्रश्न के पीछे हजारों उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर सर्वर काम करते हैं। इन सर्वरों के लगातार सक्रिय रहने से अत्यधिक गर्मी पैदा होती है, जिसे नियंत्रित करने के लिए विशेष कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि डेटा सेंटरों में पानी का उपयोग मुख्य रूप से दो तरीकों से होता है। पहला, सर्वरों को ठंडा रखने के लिए कूलिंग टावरों के माध्यम से पानी का इस्तेमाल किया जाता है, जहां पानी गर्मी सोखकर भाप बन जाता है। दूसरा, डेटा सेंटरों को बिजली उपलब्ध कराने वाले बिजलीघरों में भी शीतलन प्रक्रिया के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार एआई की पानी की खपत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, रिवरसाइड सहित विभिन्न शोधों के अनुसार, एआई से 10 से 50 सामान्य प्रश्न पूछने पर औसतन लगभग 500 मिलीलीटर यानी आधा लीटर पानी खर्च हो सकता है।

सख्ती

स्टूडेंट वीजा से जुड़े कई बड़े नियमों को बदलने की तैयारी कर रहा अमेरिका

वीजा नीति में बदलाव: भारतीयों को झटका, नौकरी-पढ़ाई पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन रोजगार और स्टूडेंट वीजा से जुड़े कई बड़े नियमों को बदलने की तैयारी कर रहा है, जिसका सबसे बड़ा असर भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स, छात्रों और बड़ी कंपनियों पर पड़ने वाला है। ये बदलाव विशेष रूप से भारतीयों को प्रभावित करेंगे क्योंकि वे अमेरिकी वर्क और स्टूडेंट वीजा के सबसे बड़े लाभार्थियों में से हैं। प्रस्तावित नियमों में एच-1बी वीजा, ग्रीन कार्ड प्रक्रिया, स्टूडेंट वीजा और एच-4 वीजा धारकों के वर्क परमिट को लेकर कई महत्वपूर्ण संशोधन शामिल हैं, जो आने वाले महीनों में लागू हो सकते हैं। सबसे बड़ा झटका एच-1बी वीजा नियमों को लेकर लग सकता है, जो अगस्त में आने वाले हैं। नए नियमों के तहत, अगर कोई कंपनी अपने एच-1बी कर्मचारी को किसी तीसरी कंपनी पर काम के लिए भेजती है, तो उसके नियम बहुत सख्त कर दिए जाएंगे। कंपनियों को अब यह साबित करने के लिए ठोस सबूत और दस्तावेज देने होंगे कि कर्मचारी और कंपनी के बीच असली मालिक-कामगार का रिश्ता है और वह वहां कोई खास काम ही कर रहा है। इसके अलावा, जिन कंपनियों ने पहले नियमों का पालन नहीं किया, उनके वीजा आवेदनों की बहुत बारीकी से जांच होगी, जिससे उनके लिए वीजा प्राप्त करना और भी मुश्किल हो जाएगा। जुलाई में आने वाले एक और नियम से भारतीय आईटी आउटसोर्सिंग कंपनियों की जेब ढीली होने वाली है. अभी तक जिन कंपनियों में आधे से ज्यादा कर्मचारी एच-1बी या एल-1 वीजा वाले होते थे, उन्हें सिर्फ नया कर्मचारी रखने पर ही अलग फीस देनी पड़ती थी। लेकिन नए प्रस्ताव में तय है कि अब मौजूदा कर्मचारियों का वीजा बढ़ाने पर भी यह भारी फीस देनी होगी। इसके साथ ही, अब कंपनियों को एंट्री-लेवल के विदेशी कर्मचारियों को पहले के मुकाबले काफी ज्यादा सैलरी देनी होगी, जिससे अमेरिका में विदेशी वर्कर को नौकरी पर रखना बहुत महंगा हो जाएगा। ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए होने वाले लेबर सर्टिफिकेशन के नियमों को भी बदला जा रहा है। साल 2004 के बाद पहली बार इस सिस्टम को पूरी तरह अपडेट किया जा रहा है। इसके तहत, अगर कोई कंपनी विदेशी कर्मचारियों को ग्रीन कार्ड के लिए स्पॉन्सर कर रही है, तो उससे पहले कंपनी में छंटनी को लेकर कड़े नियम लागू होंगे, ताकि अमेरिकी नागरिकों के साथ कोई भेदभाव न हो। अमेरिका में पढ़ाई कर रहे लगभग 3.60 लाख भारतीय छात्रों के लिए भी नियम बदलने वाले हैं, जो वहां के कुल विदेशी छात्रों का 31 फीसदी हैं। अभी तक छात्र जब तक पढ़ाई करते थे, तब तक उन्हें अमेरिका में रहने की अनुमति मिल जाती थी।

संपादकीय

प्रतिरोध के बीच गूंजती पंडवानी की आवाज

अभिमत

विपरीत हालात के बावजूद तीजन बाई ने अपनी कला को नहीं छोड़ा और उसके तहत वे महाभारत कथा की अलग-अलग बारीकियों के साथ उसके अभिनय पक्ष पर काम करती रहीं। कला जगत में ऐसे कम लोग हुए हैं, जिन्होंने अपने जीवन में लगभग हर स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद न केवल मजबूत उपस्थिति दर्ज की, बल्कि अपनी चुनी हुई विधा को एक नया आयाम दिया। तीजन बाई और पंडवानी आज एक-दूसरे के मजबूत पर्याय के तौर पर जाने जाते हैं, तो इसकी एक ठोस पृष्ठभूमि भी है। महज नौ साल की उम्र में जब तीजन बाई ने अपने चचेरे नाना से पंडवानी का प्रशिक्षण लेना शुरू किया, तो उस उम्र में भी उन्हें समाज से लेकर अपने परिवार तक का काफी विरोध झेलना पड़ा।

दरअसल, पंडवानी विधा में गायन को आमतौर पर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। आगे उनका निजी जीवन भी इससे बुरी तरह प्रभावित हुआ और उनकी शादी भी टूटी। मगर पंडवानी और तीजन बाई ने शायद एक-दूसरे को चुन लिया था और यही वजह थी कि कमजोर सामाजिक तबके से आने और तमाम विपरीत हालात के बावजूद उन्होंने अपनी कला को नहीं छोड़ा और उसके तहत वे महाभारत कथा की अलग-अलग बारीकियों के साथ उसके अभिनय पक्ष पर काम करती रहीं। अपनी प्रतिबद्धता की वजह से ही वे न केवल अपने आसपास के गांवों में एक कामयाब पंडवानी गायिका के रूप में जानी गईं, बल्कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने भी उन्हें अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिला। उनकी प्रतिभा के लिए उन्हें पद्म पुरस्कारों सहित कई अन्य सम्मान से नवाजा गया, लेकिन उनकी अहमियत उनके व्यक्तित्व में मौजूद उन खासियतों से कायम रही, जिन्हें उन्होंने काफी मेहनत और संघर्ष से अर्जित किया था।

उनकी प्रस्तुतियों में उत्साह, ऊर्जा, आक्रामकता, कठोरता से लेकर कोमलता और वात्सल्य के भाव दर्शकों के भीतर उतर जाते थे और इससे पता चलता है कि उन्हें इसके लिए किस स्तर की साधना से गुजरना पड़ा होगा। औपचारिक शिक्षा नहीं के बराबर होने के बावजूद अपनी चुनी हुई कला में उन्होंने जिस स्तर की बारीकियां हासिल कीं, वैसा विरले दिखता है। मौजूदा दौर में मंचीय प्रस्तुतियां महज चकाचौंध और आधुनिक तकनीक की गूंज में दबी लगती हैं, लेकिन कला और उसकी अहमियत को समझने वालों को तीजन बाई की प्रस्तुतियों के बीच ठहराव के साथ मौन की संवेदना के मायने भीतर तक उतर जाना ज्यादा याद रह जाता है।

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1346 लग्जमबर्ग के चार्ल्स चतुर्थ को पवित्र रोमन साम्राज्य का सम्राट बनाया गया।
- 1673 नीदरलैंड और डेनमार्क के बीच रक्षा संधि पर हस्ताक्षर हुए।
- 1735 गणितीय गणना यह बताती है कि 1979 से पहले आखिरकार प्लूटो सूर्य से आठवां सबसे दूर के ग्रह के लिए नौवें स्थान पर चले गया।
- 1750 नोवा के हैलिफैक्स स्कॉशिया लगभग पूरी तरह से आग से नष्ट हो गया।
- 1776 प्रसिद्ध ह्यजेम्स कुकह्व ने आज अपनी तीसरी समुद्री यात्रा शुरू की थी।
- 1781 थॉमस हचिन्स ने अमेरिका के भूगोल को नामित किया।
- 1789 फ्रांस के लुई श्क ने लोकप्रिय मुख्यमंत्री जैक नेकर को खारिज कर दिया।
- 1804 अमेरिकी उपराष्ट्रपति हारून ब्यूर ने वीजेवन, न्यूजेरिस में एक द्वंद्वयुद्ध के दौरान अमेरिका के पूर्व सचिव अलेक्जेंडर हैमिल्टन को घातक रूप से घायल कर दिया।
- 1804 अलेक्जेंडर हैमिल्टन को हारून बोर के साथ एक द्वंद्वयुद्ध के दौरान गोली मार दी गई और अगले दिन उसकी मृत्यु हो गई।
- 1833 नोनगर योद्धा यगन, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में व्हाइटकोलोलॉजिस्टों पर प्रमुख हमलों के लिए चाहते थे, औपनिवेशिक वासियों द्वारा औस्ट्रेलिया के स्वदेशी लोगों के क्रूर और कभी-कभी क्रूर व्यवहार का प्रतीक बनकर मारे गए थे।
- 1848 लंदन वाटरलू स्टेशन, ब्रिटेन का सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन बाईपासेंजर उपयोग, लंदन और दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा खोला गया था।
- 1882 एंग्लो-मिस्र के युद्ध-ब्रिटिश नौसैनिक बलों ने उरबी बलों के खिलाफ अलेक्जेंड्रिया की स्थापना शुरू की।
- 1914 यूएसएस नेवादा, यूनाइटेड स्टेट्स नेवी का पहला 'सुपर-ड्रेडनॉट' लॉन्च किया गया था।
- 1919 नीदरलैंड ने आठ घंटे का दिन और निःशुल्क रविवार श्रमिकों के लिए कानून बनाया।
- 1921 लाल सेना ने सफेद सेना से मंगोलिया पर कब्जा कर लिया और मंगोलियाई पीपुल्स रिपब्लिक की स्थापना की। श्वेत सेना कम्युनिस्ट विरोधी थी, रूसी देशभक्त जो अमेरिका, जापान के साम्राज्य और कई अन्य देशों द्वारा समर्थित था, जबकि लाल सेना कम्युनिस्ट समर्थक थी।
- 1921 संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति विलियम हॉवर्ड टैफ्ट को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था, जिससे उन्हें दोनों पदों पर कब्जा करने का एकमात्र अवसर मिल गया।
- 1922 हॉलीवुड की स्थापना हुई। हॉलीवुड संयुक्त राज्य अमरीका के फि ल्म उद्योग का नाम है।
- 1940 विची फ्रांस को औपचारिक रूप से द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्थापित किया गया था।

कविता

भयाक्रांत

खुद आज वो अपनों से भयाक्रांत है
क्या एक भी भयमुक्त यहाँ प्रांत है ?

फिर भी धरा दिखती रही है शांत यह
इतना भी क्या काफी नहीं वृतांत यह

कानून भी बनते - बिगड़ते आज अब
निकले न कोई जिन्न रगड़ते आज जब

क्यों आज कौरव है मगर अर्जुन नहीं
क्यों आज है वो गीत पर वो धुन नहीं

है कौन वो कौरव हमें जो छेड़ता
ना घेर पाए फिर भी देखो घेरता...

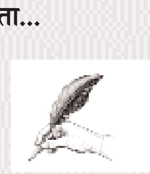

राजेश पाठक
लेखक

लोक मुद्दा

अमेरिका के आगामी 50 साल: आदमी की उम्र को सौ साल तक करने की मंशा

यदि ज्ञान, दीर्घ अनुभव, विशिष्ट लेखन शैली की त्रिवेणी का बतौर पाठक पुण्य हासिल करना हो तो इन समस्त विषयों के धनी वरिष्ठ पत्रकार शिवकुमार विवेक को पढ़िए। उनके लेखन का एक छोर अमेरिका तो दूसरा भारत तक आ रहा है, लेकिन इस सबके मध्य समूचे विश्व हेतु जो अपरंपार व्याख्या/चिंतन/लेखकीय संस्कार/सरोकार उन्होंने प्रदर्शित किए हैं, वो विरले ही सामने आते हैं।

शिवकुमार विवेक

अनुमान है कि अगले पचास साल में यानी 4 जुलाई 2076 तक जो काम होंगे, उनमें अमेरिका फ्लाइंग कार बनाएगा और आप उड़नकार में बैठकर अपने कार्यस्थल को जाया करेंगे।चंद्रमा व मंगल पर बस्ती बसा देगा, पृथ्वी के चक्कर लगाने वाले डेटा सेंटर स्थापित कर लेगा, क्वांटम कम्प्यूटर्स से गणना बहुत आसान हो जाएगी और कोमल हाथों वाले सामाजिक रोबोट दिखाई देंगे।आदमी की उम्र को औसत सौ साल करना इसमें सबसे दिलचस्प है।

उड़ने वाली कार और मंगल पर बस्ती बनेंगी किन्तु ताश का महल ढहने की आशंकाएँ भी

भारत अगले बीस साल में विकसित देश की श्रेणी में आने का लक्ष्य करके काम कर रहा है वहीं अमेरिका में अगले पचास साल की पायदानें तय की जा रही हैं। हाल में चार जुलाई को जब अमेरिका ने अपने देश की स्वतंत्रता के 250 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मनाया तब विभिन्न मंचों पर अमेरिका के भविष्य पर मंथन भी किया गया। समाचार पत्रों ने इस अवसर पर अनेक विचारात्मक लेख प्रकाशित किए।

इस सिलसिले में दो समाचार पत्रों के लेखों का ज़िक्र करना दिलचस्प व सार्थक भी होगा। 'वाशिंगटन पोस्ट' में 'अमेरिका के 300 सालः बदलाव की अगली आधी सदी' शीर्षक से एक गंभीर विश्लेषण प्रकाशित किया गया जिसका लब्बोलुवाब यह है कि केवल विज्ञान व तकनीक की ताकत भविष्य में तमाम शक्तियों को संचालित करेगी। लेखक जोल अचेनबक का दावा है कि 'वर्ष 2076, जब अमेरिका की स्वतंत्रता को तीन सौ साल पूरे हो जाएँगे, हमारी कल्पना से ज्यादा दमदार होगा।' लेखक इसके पक्ष में कुछ उदाहरण देते है। जैसे वर्ष 1976 में जब एक कमरे में बैठकर दो शाकाहारी लड़के (जिनमें एक एप्पल के स्टीवजॉब्स थे) ऐसा माइक्रोकंप्यूटर बनाने की धुन में काम कर रहे थे जिसे जेब में रखा जा सके और पाँच वर्ष पहले जब चैट जीपीटी ईजाद किया गया तो किसे पता था कि ये दुनिया को इस कदर बदल देंगे और तब डिजिटल युग के बारे में कौन जानता था।

अमेरिका के अब तक के विकास में वैसे भी तकनीक की अहम भूमिका रही है। इसने नागरिक जीवन को सहज और सुखद बनाया है। जब आम आदमी को रोजमर्रा की ज़िंदगी में बाधाओं और अनावश्यक समस्याओं से नहीं जूझना पड़ता तो वह अपना कीमती समय अन्य उत्पादक कार्यों में लगाता है। बड़े परिप्रेक्ष्य में देखें तो चंद्र अभियान से लेकर चालक रहित कार तक उसने नए कीर्तिस्तम्भ खड़े किए। बड़े-बड़े विश्वविद्यालय बनाकर शिक्षा व शोध को उच्चतम स्तर तक पहुंचाया और विज्ञान में नए आविष्कारों को बढ़ावा दिया। एआई के प्रणेता भी अमेरिका में ही रहते हैं।

इस सिलसिले में अमेरिका के उद्यमी एलॉन मस्क के सपनों की बहुत चर्चा होती है। वह आदमी के दिमाग में चिप लगाने जा रहे है तो दूसरे चांद और मंगल पर बस्ती

बसाना चाहते हैं। उन्होंने टेस्ला के रूप में उत्कृष्ट कार बनाई है तो चालक रहित कार बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है। उन्होंने बिना किसी टॉवर का सहारा लिए उपग्रह से टीवी और अन्य उपकरण चलाने की तकनीक (स्टारलिंक) विकसित की जिससे ईरान-इसराइल-अमेरिका युद्ध में इंटरनेट पर ईरान द्वारा पाबंदी लगाने पर ट्रम्प को मस्क का मुँह ताकना पड़ा जो सीधे उपग्रह से नेट चलाने में सक्षम थे।

अमेरिका अब इसी तकनीकी विकास को आगे ले जाकर अगले पचास साल में कुछ और बड़े कमाल करना चाहता है। वाशिंगटन पोस्ट का लेख इसकी सूची गिनवाता है। इसमें मस्क वाले काम शामिल हैं। सच यही है कि मस्क जैसी प्रतिभाएँ ही अमेरिका को वैश्विक महाशक्ति बनाती हैं। उन्होंने ओपन एआई की स्थापना कर नए युग में प्रवेश का एक दरवाजा खोला। अखबार का अनुमान है कि अगले पचास साल में यानी 4 जुलाई 2076 तक जो काम होंगे, उनमें अमेरिका फ्लाइंग कार बनाएगा और अखबार के अनुसार आप उड़नकार में बैठकर अपने कार्यस्थल को जाया करेंगे।चंद्रमा व मंगल पर बस्ती बसा देगा, पृथ्वी के चक्कर लगाने वाले डेटा सेंटर स्थापित कर लेगा, क्वांटम कम्प्यूटर्स से गणना बहुत आसान हो जाएगी और कोमल हाथों वाले सामाजिक रोबोट दिखाई देंगे।आदमी की उम्र को औसत सौ साल करना इसमें सबसे दिलचस्प है।

यह निरापद नहीं है। कई चुनौतियाँ हैं जिन्हें भी वहाँ का प्रबुद्ध समाज पहचान रहा है जैसे स्वास्थ्य एक विकट मसला है। स्वास्थ्य सेवाओं की अपनी सीमाएं हैं। प्रशासनिक व कॉर्पोरेट भ्रष्टाचार वहाँ भी कम नहीं। बेघरों और ड्रग माफिया की बात होती ही है। अपराधों में निरंतर बढ़ोतरी व आप्रवासी समस्या को भी ध्यान में रखना होगा। एक अन्य समाचार पत्र ह्यलॉस एजेंलिसह्ण में प्रकाशित सैमुअल कॉन के लेख ह्यअमेरिकी प्रयोग कैसे अगले ढाई सौ साल में खत्म हो सकता है ?ह्ण में चुनौतियों को ऐतिहासिक संदर्भों में परखा गया है। यह बताता है कि कैसे दुनिया के बड़े-बड़े साम्राज्य धराशायी हो गए और उनसे अमेरिका क्या सबक ले सकता है। इसमें बाजेटाइन के विशाल साम्राज्य का दिवालिया हो जाना, असमानता से स्पेन का पतन और ब्रिटिश आत्माभिमान का जिक्र किया गया है। ब्रिटेन के बारे में कहा गया है कि इस देश के विश्वविद्यालयों ने शिक्षा की तरफ अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जबकि अमेरिका और जर्मनी उससे आगे निकल गए। ब्रिटेन ने ऑक्सफोर्ड और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी खड़ी कीं लेकिन उनका लाभ सभ्रांत परिवारों ने ही उठाया। गणित और विज्ञान को पाठ्यक्रम में बड़े अनमनेपन से जोड़ा गया। इसमें शोध की तो बिल्कुल ही अनदेखी की गई। इसके विपरीत अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने गणित, विज्ञान व इंजीनियरिंग की शिक्षा में निवेश करते हुए बेहतरीन शिक्षण संस्थाएं खड़ी कीं। लेखक कहता है कि विश्वविद्यालय तकनीकी ताकत के आधार हैं और यह शक्ति अर्थव्यवस्था की वृद्धि का आधार होती है। लेखक तो अंत में यह चेतावनी भी देता है कि यदि अमेरिका ने इन पतन गाथाओं से सबक नहीं लिया तो अपनी पाँच सौं वी वर्षगाँठ नहीं मना सकेगा।

अमेरिका सड़क, बिजली, पानी, मकान, सामान्य परिवहन, साफ-सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं की बात नहीं कर रहा है। उनमें वह अपेक्षित स्तर पर पहुँच चुका है।वह अध्यवसाय की बात कर रहा है, नवाचार पर जोर दे रहा है, विद्या, तकनीक और अनुसंधान पर दिमाग लगा रहा है। वह दूसरे स्तर पर है। विकासशील देशों को तो बुनियादी सुविधाओं का मोर्चा ही बहुत कठिन बना हुआ है। अर्थव्यवस्था को काबिल बनाकर इसका समाधान किया जा सकता है किन्तु सक्षम अर्थव्यवस्था शिक्षा, जिसमें विज्ञान समाहित हो और तकनीक के ज्ञान व अनुप्रयोग से ही खड़ी होगी। अच्छी शिक्षा से गुणवत्ता युक्त मानव संसाधन तैयार होता है और शोध संस्थान अनुसंधान व नवाचार का केन्द्र बनते हैं। भारत भी 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूर्ण होने पर विकसित राष्ट्र में तब्दील होने का संकल्प लेकर काम कर रहा है। इस हिसाब से उसके पास अमेरिका के पचास साल की तुलना में सिर्फ बीस साल शेष हैं। लिहाजा हमारे लिए भी यह बहुमूल्य समय है।

लोक विचार

क्या ऐसे बनेगा विकसित भारत ?

अजय कुमार

हर गुजरता मानसून हमें याद दिला रहा है कि विकसित भारत का रास्ता संसद की घोषणाओं से नहीं, बल्कि शहर की उस सड़क से होकर जाता है जिस पर आम नागरिक रोज चलता है। विकसित राष्ट्र बनने का सपना तभी सच होगा, जब बारिश राहत का संदेश लेकर आए, भय और बदहाली का नहीं।

2047 में विकसित भारत बनने का सपना केवल एक सरकारी लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षा है। यह सपना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने, आधुनिक शहरों, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और बेहतर जीवन गुणवत्ता का वादा करता है। लेकिन हर मानसून इस सपने के सामने एक ऐसा आईना रख देता है, जिसमें चमचमाते दावे नहीं, बल्कि पानी में डूबी सड़कें, घंटों का ट्रैफिक जाम, उफनते सीवर, धंसती सड़कें और बेबस नागरिक दिखाई देते हैं। सवाल यह नहीं कि बारिश कितनी हुई। असली सवाल यह है कि क्या हमारा शहरी ढांचा आज भी सामान्य मानसूनी बारिश झेलने लायक नहीं बन पाया ? इस बार मानसून ने पूरे देश को समय पर अपनी गिरफ्त में ले लिया। किसानों के लिए यह राहत की खबर थी, लेकिन शहरों के लिए वही पुराना संकट लौट आया।

दिल्ली में कुछ घंटों की बारिश के बाद अंडरपास जलमग्न हो गए, प्रमुख सड़कों पर लंबा जाम लग गया और कई इलाकों में जनजीवन ठहर गया। गुरुग्राम में करीब 115 मिमी बारिश ने एनएच-48 से लेकर सोहना रोड तक यातायात को घंटों रोक दिया। शहर की पहचान आईटी कंपनियों और ऊंची इमारतों से है, लेकिन हर बारिश यह साबित कर देती है कि उसकी सबसे बड़ी कमजोरी ड्रेनेज सिस्टम है, न कि मौसम। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ भी इससे अलग नहीं है। गोमती नगर, आशियाना, जानकीपुरम, अलीगंज और कई नई कॉलोनियों में हर साल वही दृश्य दोहराया जाता है। जिन सड़कों का उद्घाटन कुछ

महीने पहले हुआ होता है, वे पहली तेज बारिश में उखड़ने लगती हैं। कहीं डामर बह जाता है, कहीं गड्ढे बन जाते हैं और कहीं पूरी सड़क धंस जाती है। शहर का विस्तार तो तेजी से हुआ, लेकिन जलनिकासी की योजना उसी अनुपात में विकसित नहीं हुई। नई कॉलोनियां बसती रहीं, पर यह नहीं सोचा गया कि बरसात का पानी आखिर जाएगा कहां ?समस्या की जड़ केवल भारी वर्षा नहीं, बल्कि हमारी विकास की सोच है। भारत में सड़क बनने से पहले ही उसके दोबारा खोदे जाने की तैयारी शुरू हो जाती है। आज सीवर लाइन बिछेगी, कुछ महीने बाद गैस पाइपलाइन डलेगी, फिर बिजली की केबल जाएगी, उसके बाद फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क। हर विभाग अलग काम करता है, लेकिन किसी के पास साझा योजना नहीं होती। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनी सड़कें बार-बार टूटती हैं और अंततः नागरिक को घटिया निर्माण की कीमत चुकानी पड़ती है। विकसित देशों में पहले भूमिगत उपयोगिताओं की समेकित योजना बनाई जाती है, उसके बाद सड़क बनती है। भारत में अक्सर सड़क पहले बनती है और योजना बाद में खोजी जाती है।

इस पूरी व्यवस्था में सबसे बड़ी कमी जवाबदेही की है। नगर निगम नालों की सफाई का दावा करता है, लोक निर्माण विभाग सड़क निर्माण का, विकास प्राधिकरण आधुनिक कॉलोनियों का और जल संस्थान सीवर सुधार का। लेकिन जब बारिश होती है तो हर विभाग दूसरे पर जिम्मेदारी डाल देता है। आखिर पहली बारिश में सड़क धंसने पर कितने अभियंता निलंबित होते हैं ? कितने ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाता है ? कितने अधिकारियों की जवाबदेही तय होती है ? शायद ही कोई उदाहरण जनता को याद हो। यही कारण है कि हर साल वही गलती दोहराई जाती है और हर बार नए वादे कर दिए जाते हैं।

भ्रष्टाचार इस संकट की सबसे मजबूत जड़ है। यदि सड़क की आयु दस वर्ष होनी चाहिए और वह एक वर्ष में टूट जाए, तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन की बर्बादी है। यदि नालों की सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पहली बारिश में पानी सड़कों पर भर जाए, तो इसका अर्थ साफ है कि या तो काम ईमानदारी से नहीं हुआ या निगरानी पूरी तरह विफल रही। विकास का सबसे बड़ा दुश्मन संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि संसाधनों का गलत उपयोग है। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत की शहरी आबादी 2050 तक लगभग 95 करोड़ तक पहुंच सकती है और तब तक आवश्यक शहरी बुनियादी ढांचे का आधे से अधिक हिस्सा अभी बनाया जाना बाकी है।

संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक - सत्यम कुमार जायसवाल। शिव साई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, टेंडर बगीचा के पास, थाना और पोस्ट-रातू 835222 राची, झारखंड से मुद्रित। ब्लॉक रोड़ मझिआंव पेट्रोल पंप के पास मझिआंव, जिला-गढ़वा 822134 से प्रकाशित। RNI no - JHHIN/25/A0561 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

ब्रीफ न्यूज

महिला श्रम भागीदारी की राह में रोजगार की कमी सबसे बड़ी बाधा: ईएसी-पीएम अध्यक्ष

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष एस. महेंद्र देव ने कहा है कि भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी बढ़ाने में अब सामाजिक सोच और परंपरागत मान्यताओं से कहीं अधिक बड़ी समस्या पर्याप्त रोजगार के अवसरों की कमी बन गई है। नई दिल्ली में एक संगोष्ठी में उन्होंने बताया कि शिक्षित महिलाओं में अधिक बेरोजगारी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में पर्याप्त नौकरी सृजन न होना इस बात का प्रमाण है कि चुनौती अब रोजगार की मांग से जुड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरा मानना है कि महिलाओं के रोजगार में सबसे बड़ी बाधा नौकरियों की कमी है। यदि उपयुक्त रोजगार उपलब्ध होंगे, तो वे निश्चित रूप से कार्यबल में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि शिक्षित महिलाओं में लगभग 40 प्रतिशत बेरोजगारी भी इसी समस्या को उजागर करती है।

ई20 पेट्रोल सुरक्षित! ऑटो डीलरों को नहीं मिली एक भी शिकायत

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा है कि उसे देश भर में अपने 30,000 डीलरों के नेटवर्क से ई20 पेट्रोल से जुड़ी एक भी लिखित शिकायत नहीं मिली है। इससे सरकार के उस दावे को बल मिलता है कि उच्च एथेनॉल-मिश्रित ईंधन वाहनों के लिए सुरक्षित है। फाडा के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने बताया कि एसोसिएशन ने अपनी जनरल काउंसिल से संपर्क किया, जिसमें विभिन्न राज्यों और वाहन सेगमेंट के 60-65 डीलर प्रतिनिधि शामिल हैं। उनसे यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ग्राहकों ने ई20 पेट्रोल से जुड़ी कोई समस्या बताई है। उन्होंने कहा ?कि हमें ऐसी एक भी समस्या नहीं मिली है जिसमें ग्राहक ने ई20 ईंधन की वजह से किसी तरह की दिक्कत की बात कही हो। यह बयान पुराने वाहनों में ई20 के इस्तेमाल पर सोशल मीडिया पर चल रही बहस के बीच आया है, जहां इंजन खराब होने, जंग लगने और माइलेज घटने जैसे दावे किए जा रहे थे। इन चिंताओं को दूर करने के लिए, फाडा ने ओईएम के साथ मिलकर देश भर में जागरूकता अभियान शुरू किया है। डीलरों को कंपनियों से मिले दिशा-निर्देशों के आधार पर ग्राहकों को तथ्यात्मक जानकारी व शंकाएं दूर करने के लिए बैनर लगाने को कहा गया है। केंद्र सरकार, तेल विपणन कंपनियां और वाहन निर्माता दोहराते हैं कि ई20 ईंधन उन वाहनों के लिए सुरक्षित है, जिन्हें इसके उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय निवेशकों का भरोसा म्यूचुअल फंड्स पर लगातार मजबूत हो रहा है। जून 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिकॉर्ड 28,973 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश आया, जो मई के 22,907 करोड़ रुपये से 26 फीसदी अधिक है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में सामने आई है। इस रिकॉर्ड निवेश के साथ भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) (30 जून तक 82,22,480.04 करोड़ रुपए के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। एएमएफआई डेटा के अनुसार मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। मिडकैप फंड्स में सर्वाधिक 6,090 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 5,602 करोड़ रुपए और फ्लेक्सी कैप फंड्स में 5,231 करोड़ रुपए का निवेश आया। मल्टीकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी क्रमशः 3,070 करोड़ और 2,067 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया। हालांकि, एक तरफ जहां इक्विटी म्यूचुअल फंड्स निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं, वहीं डेट म्यूचुअल फंड्स से निकासी का सिलसिला जारी है। जून में डेट फंड्स से करीब 1.09 लाख करोड़ रुपए का बड़ा आउटफ्लो दर्ज किया गया, जो मई के 96,948 करोड़ रुपए से अधिक है।

कई वीवो और आईक्यूओओ स्मार्टफोन्स को नहीं मिलेगा एंड्रॉइड 17 अपडेट: रिपोर्ट

नई दिल्ली

वीवो और आईक्यूओओ स्मार्टफोन यूजर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के कई पुराने मॉडल्स को आगामी एंड्रॉइड 17 अपडेट नहीं मिलेगा। यह अनुमान कंपनी की मौजूदा सॉफ्टवेयर अपडेट पॉलिसी के आधार पर लगाया गया है, हालांकि वीवो या आईक्यूओओ ने अभी तक कोई आधिकारिक सूची जारी नहीं की है। एंड्रॉइड 17 के साथ वीवो अपने चीनी बाजार में नया ओरिजिनओएस 7 पेश करेगा, जबकि वैश्विक बाजार के लिए ज्यादातर डिवाइस फनटच ओएस के नए वर्जन के साथ अपडेट होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन वीवो स्मार्टफोन को एंड्रॉइड 17 बेस्ड अपडेट नहीं मिलेगा उनमें वीवो एक्स90 सीरीज (एक्स90, एक्स90 प्रो, एक्स90 प्रो+), वी30 सीरीज (वी30, वी30 प्रो, वी30ई), टी3 सीरीज (टी3, टी3 लाइट, टी3एक्स), वाई300 प्लस, वाई200 प्रो, वाई200ई, वाई100 4जी, वाई100आई, वाई29 और वाई29एस शामिल हैं। इसी तरह, आईक्यूओओ के कुछ लोकप्रिय मॉडल जैसे आईक्यूओओ 11, आईक्यूओओ 11 प्रो, जेड9 सीरीज (जेड9, जेड9एक्स, जेड9 लाइट, जेड9एस, जेड9एस प्रो) को भी यह अपडेट नहीं मिलने की उम्मीद है। इन मॉडल्स को पहले ही कंपनी की तय सॉफ्टवेयर अपडेट पॉलिसी के आधार पर अपेक्षित अपडेट मिल चुके हैं, जिसके कारण एंड्रॉइड 17 पर आधारित नया वर्जन मिलने की संभावना काफी कम है। हालांकि, इन फोन्स को केवल आवश्यक सुरक्षा अपडेट मिलना जारी रह सकता है। वहीं, रिपोर्ट में वीवो एक्स200 और एक्स300 सीरीज, वी40, वी50, वी60 और वी70 सीरीज के कई मॉडल्स को एंड्रॉइड 17 के लिए योग्य बताया गया है। आईक्यूओओ में आईक्यूओओ 12, आईक्यूओओ 13, आईक्यूओओ 15, नियो 10, नियो 10आर और जेड10 सीरीज के कई स्मार्टफोन्स को नया अपडेट मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह एक प्रारंभिक अनुमानित सूची है और अंतिम घोषणा के बाद इसमें बदलाव संभव हैं।

इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा बढ़ा, शेयर उछले

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के दो प्रमुख बैंक, इंडियन बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। इन बैंकों के बेहतर नतीजों से निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिला, जिसके परिणामस्वरूप दोनों बैंकों के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। इंडियन बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 3,272 करोड़ रुपए रहा, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा 27 फीसदी बढ़कर 2,020 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। बेहतर तिमाही नतीजों के बाद इंडियन बैंक के शेयर करीब 10 फीसदी चढ़कर बीएसई में 870.95 रुपए पर बंद हुए। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयर भी करीब 3 फीसदी बढ़कर 84.35 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए। इंडियन बैंक की ब्याज से शुद्ध आमदनी 17 फीसदी बढ़कर 7,435 करोड़ रुपए हो गई, जबकि ऋण वितरण सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 6.84 लाख करोड़ रुपए हो गया। बैंक की कुल आय 11 फीसदी बढ़कर 20,997.38 करोड़ रुपए दर्ज की गई और जमा राशि में 13.47 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं बैंक ऑफ महाराष्ट्र का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 26.8 फीसदी बढ़कर 2,020 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले तिमाही (2,014 करोड़ रुपए) की तुलना में लगभग अपरिवर्तित है। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन ने बैंकिंग क्षेत्र में सकारात्मक रुझान को बढ़ावा दिया है।

एप्पल ने ओपनएआई पर ठोका ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा

पूर्व कर्मचारियों के जरिए गोपनीय डेटा चुराने में मदद का आरोप

मुंबई

दुनिया की दो दिग्गज टेक कंपनियों एप्पल और चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई के बीच गोपनीय जानकारी को लेकर छिड़ा विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। एप्पल ने अमेरिका की एक अदालत में ओपनएआई और अपने दो पूर्व कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

आरोप है कि एप्पल की गोपनीय हार्डवेयर जानकारी और ट्रेड सीक्रेट का उपयोग कर ओपनएआई अपने एआई हार्डवेयर बिजनेस को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ओपनएआई ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। एप्पल का दावा है कि उसके पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी छोड़ने के बाद या उससे पहले गोपनीय दस्तावेजों और तकनीकी जानकारी तक अनधिकृत पहुंच बनाई, संवेदनशील फाइलें डाउनलोड या ट्रांसफर कीं। कंपनी का आरोप है कि इस जानकारी का उपयोग भविष्य के एआई-आधारित डिवाइस बनाने में किया जा सकता है। मुकदमे में, एप्पल ने एक कर्मचारी पर नौकरी छोड़ने के बाद भी नेटवर्क से गोपनीय हार्डवेयर फाइलें डाउनलोड करने और दूसरे पर इस्तीफा देने से पहले सप्लायर नेटवर्क की जानकारी निजी ईमेल पर भेजने का आरोप लगाया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह मामला सिर्फ गोपनीय जानकारी तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य के एआई हार्डवेयर बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा है। रिपोर्ट है कि ओपनएआई ऐसे एआई डिवाइस पर काम कर रहा है जो पारंपरिक स्मार्टफोन पर निर्भरता कम कर सकते हैं, जिससे आईफोन को कड़ी चुनौती मिल सकती है। ओपनएआई ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उसका ध्यान केवल ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर है जो दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचाए।

पोस्ट ऑफिस आरडी योजना, छोटे निवेश से बनाएं लाखों का बड़ा फंड

100 से शुरू करें मासिक बचत, 6.7 फीसदी ब्याज के साथ पाएं लोन सुविधा

नई दिल्ली। आज के समय में सुरक्षित निवेश और आकर्षक रिटर्न की तलाश हर किसी को होती है। ऐसे में भारतीय डाकघर की रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) स्कीम आम नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय और बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है। यह सरकारी छोटी बचत योजना कम जोखिम पर भविष्य के लिए एक मजबूत फंड तैयार करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। आप इस योजना में न्यूनतम 100 प्रति माह से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। वर्तमान में इस पर 6.7 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है, हालांकि छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें तिमाही आधार पर संशोधित की जाती हैं। इसकी मूल परिपक्वता अवधि 5 साल है, जिसे निवेशक अपनी सुविधा अनुसार अगले 5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। खास बात यह है कि एक साल तक नियमित जमा के बाद जमा राशि के 50 फीसदी तक लोन की सुविधा भी मिलती है। जरूरत पड़ने पर तीन साल बाद समय से पहले खाता बंद करने का विकल्प भी उपलब्ध है, हालांकि ऐसे में ब्याज दर बदल जाती है। यह योजना हर वर्ग के लिए सुलभ है, जहां नाबालिगों के लिए अभिभावक द्वारा और संयुक्त खाते की सुविधा भी है।

पारदर्शिता से बढ़ेगा रियल एस्टेट निवेश: यूपी रेरा

यूपी में परियोजनाओं के बड़े आकार के कारण 40 फीसदी उपभोक्ता शिकायतें

नई दिल्ली। यूपी-रेरा के एक अधिकारी ने भारतीय रियल एस्टेट बाजार में पूर्ण पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा है कि इससे विकास कार्यों के लिए आवश्यक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने शुक्रवार को यह बात कही। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि रेरा का उद्देश्य नियमन है, नियंत्रण नहीं, बल्कि घर खरीदारों और परियोजना प्रवर्तकों के हितों में संतुलन साधना है। उन्होंने देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और आवासीय व वाणिज्यिक संपत्तियों की बढ़ती मांग का जिक्र करते हुए सभी हितधारकों से इस क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अधिकारी ने रियल एस्टेट उद्योग संगठनों से क्षेत्र में हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8-9 प्रतिशत का योगदान देता है और 125 से अधिक सहायक उद्योगों को सहारा देता है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के विकास के लिए निवेश का प्रवाह जारी रहना चाहिए, जिसमें नियामक प्राधिकरण की भूमिका भी अहम है। उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य में 308 परियोजनाएं रेरा के तहत पंजीकृत हैं, जिनका औसत आकार 333 इकाइयों का है।

सेबी ने म्यूचुअल फंड के लिए इंट्राडे उधारी के नियम बदले

1 सितंबर से मिलेगी अधिक सहूलियत

नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए एक बड़ा कदम उठाया है, जिसने कारोबारी सत्र के दौरान ली जाने वाली 'इंट्राडे' उधारी के दायरे का विस्तार किया है। यह बदलाव म्यूचुअल फंड योजनाओं के संचालन में अधिक लचीलापन और दक्षता लाएगा, और नए नियम 1 सितंबर से प्रभावी होंगे। इससे पहले म्यूचुअल फंड को केवल अस्थायी नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने की अनुमति थी, और वह भी कड़ी नियामकीय सीमाओं के तहत। सेबी द्वारा शुक्रवार को जारी संशोधित ढांचे के तहत, अब परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) इस उधारी का इस्तेमाल निवेश के भुगतान, रोजाना के नफा-नुकसान समायोजन, विदेशी लेनदेन निपटान और पुराने कर्ज चुकाने जैसे विभिन्न कार्यों के लिए भी कर सकेंगी। नियामक का मानना है कि यह कदम विभिन्न बाजारों के अलग-अलग निपटान समय के कारण उत्पन्न होने वाले नकदी असंतुलन को प्रभावी ढंग से दूर करेगा। सेबी ने स्पष्ट किया है कि एएमसी दिन के दौरान मिलने वाली संभावित प्राप्तियों जैसे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), समाशोधन निगम और निवेशकों से प्राप्त होने

वाली राशि के आधार पर उधारी ले सकती हैं। हालांकि, एक महत्वपूर्ण शर्त यह है कि सभी 'इंट्राडे' उधार उसी दिन चुकाने होंगे। यदि कोई उधारी अगले दिन तक जारी रहती है, तो उसे ओवरनाइट उधारी माना जाएगा और उस पर अलग से नियामकीय सीमाएं लागू होंगी।

सलाह — जल्दबाजी करने से हो सकती है परेशानी

होम लोन में सिर्फ ईएमआई नहीं, कुल ब्याज पर करें फोकस

नई दिल्ली

घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन अक्सर लोग होम लोन लेते समय सिर्फ मासिक ईएमआई पर ध्यान देते हैं। यह जल्दबाजी बाद में महंगी साबित हो सकती है, क्योंकि बैंक को चुकाई जाने वाली कुल रकम आपकी उम्मीद से कहीं ज्यादा हो सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिर्फ ईएमआई नहीं, बल्कि कुल ब्याज और लोन की अवधि को ध्यान में रखकर ही होम लोन का फैसला लेना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक बताते हैं कि 8.5त्न ब्याज दर पर 20 साल के लिए 50 लाख रुपये का होम लोन लेने पर मासिक ईएमआई भले ही करीब 43,390 रुपये लगे, लेकिन कुल चुकाई गई रकम 1.04 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जिसमें 54 लाख रुपये सिर्फ ब्याज होगा। इसका

मतलब है कि आप जितनी रकम उधार लेते हैं, लगभग उतनी ही ब्याज के रूप में चुकानी पड़ती है। शुरुआती सालों में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में जाता है, जिससे मूलधन धीरे-धीरे कम होता है। लाखों रुपये का ब्याज बचाने और लोन जल्दी खत्म करने के लिए प्री-पेमेंट एक प्रभावी तरीका है। यदि हर साल एक अतिरिक्त ईएमआई चुकाई जाए, तो 20 साल का लोन करीब 5 साल पहले खत्म हो सकता है और लगभग 13 लाख रुपये का ब्याज बच सकता है। इसी तरह, आय बढ़ने पर हर साल ईएमआई में 5 फीसदी की बढ़ोतरी करने से 20 साल का लोन 12 साल में चुकाया जा सकता है। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि 8.5 फीसदी या अधिक ब्याज दर वाले होम लोन की तुलना में निवेश से लगातार बेहतर रिटर्न कमाना मुश्किल है, इसलिए प्री-पेमेंट निश्चित बचत प्रदान करती है।

नायक फिल्म का सीन हुआ हकीकत! कीचड़ में नहाकर विरोध करने वाला ग्रामीण अब दूध से नहाकर बोला– 'अब बनी बात'

डोंगाकोहरौद में अनोखे अंदाज में सरकार का जताया आभार, सड़क निर्माण की स्वीकृति के बाद फिर सुर्खियों में आया आंदोलन का चेहरा

बिलासपुर

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म नायक में अभिनेता अनिल कपूर का वह दृश्य शायद ही किसी ने भुलाया होगा, जब जनता खुशी में उनका दुग्धाभिषेक करती है। कुछ ऐसा ही नजारा इन दिनों पामगढ़ विकासखंड के ग्राम डोंगाकोहरौद में देखने को मिला। फर्क सिर्फ इतना था कि यहां किसी मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि सड़क के लिए संघर्ष करने वाले एक आम ग्रामीण शनिच कश्यप का दूध से अभिषेक हुआ और यह पूरा घटनाक्रम अब पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। कुछ दिन पहले यही ग्रामीण बदहाल सड़क के गड्ढों में भरे कीचड़युक्त पानी से नहाकर व्यवस्था के खिलाफ अनोखा विरोध दर्ज करा रहा था। सड़क की दुर्दशा, गड्ढों और कीचड़ ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया था। बारिश के बीच ग्रामीणों ने धरना दिया, चक्काजाम किया और आंदोलन का ऐसा

तरीका अपनाया जिसने सोशल मीडिया से लेकर प्रशासन तक सभी का ध्यान खींच लिया। आंदोलन रंग लाया। शासन ने डोंगाकोहरौद बस्ती तक 4.337 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 605.09 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दे दी। मंजूरी की खबर मिलते ही आंदोलन का प्रतीक बन चुके उसी ग्रामीण ने उसी स्थान पर दूध से स्नान कर सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। देखते ही देखते यह दृश्य लोगों के मोबाइल कैमरों में कैद हो गया और प्रदेशभर में चर्चा का विषय बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल खुशी का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक संदेश है कि जब सरकार जनता की मांग सुनती है तो उसका स्वागत भी पूरे सम्मान के साथ होना चाहिए। जिस सड़क पर कभी कीचड़ में उतरकर विरोध करना पड़ा था, उसी सड़क पर आज दूध से स्नान कर उम्मीद जताई गई कि जल्द ही लोगों को बदहाल रास्ते से मुक्ति मिलेगी। हालांकि सड़क की स्वीकृति के साथ ही राजनीतिक दलों के बीच श्रेय लेने की होड़ भी शुरू हो गई है। कोई इसे अपनी मेहनत बता रहा है तो कोई अपनी सरकार की उपलब्धि। लेकिन डोंगाकोहरौद के लोगों का कहना है कि यह जीत किसी एक नेता की नहीं, बल्कि उन सैकड़ों ग्रामीणों की है जिन्होंने बारिश, कीचड़ और परेशानियों के बीच सड़क के लिए आवाज बुलंद की।

पहले कीचड़ से व्यवस्था को जगाया, अब दूध से जताया धन्यवाद

डोंगाकोहरौद के इस अनोखे आंदोलन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि लोकतंत्र में जनता यदि शांतिपूर्ण और रचनात्मक तरीके से अपनी बात रखे, तो उसकी आवाज आखिरकार सत्ता के गलियारों तक पहुंचती है। यहां कीचड़ से शुरू हुई लड़ाई अब उम्मीद के दूध तक पहुंच गई है।

अब किसी का सहारा नहीं, अपने हौसलों के पहियों पर आगे बढ़ रहे बृहस्पति और विष्णु

मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल ने बढ़ाया आत्मविश्वास, व्यवसाय के साथ जीवन भी हुआ आसान

बिलासपुर कभी बाजार जाने, सामान लाने या अपने व्यवसाय से जुड़े छोटे-छोटे कामों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना उनकी मजबूरी थी। लेकिन समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित शिविर में मिली मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल ने उनकी इस मजबूरी को आत्मविश्वास में बदल दिया है। अब उनके जीवन की रफ्तार भी उनके अपने हाथों में है।

मस्तूरी विकासखंड के ग्राम जयरामनगर-खैर की श्रीमती बृहस्पति साहू वर्षों से फल बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। दुकान तक फल पहुंचाना, बाजार से सामान लाना और रोजमर्रा के काम करना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। अब मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिलने के बाद वे ये सभी काम स्वयं कर सकेंगी। बृहस्पति साहू कहती हैं कि ÷यह ट्राईसाइकिल मेरे लिए नई जिंदगी की तरह है। अब मुझे किसी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मैं अपनी दुकान का काम पहले से ज्यादा आसानी और आत्मविश्वास के साथ कर पाऊंगी।÷ उन्होंने इस सहयोग के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसी तरह कोटा विकासखंड के ग्राम बछलीखुर्द (रतनपुर) निवासी श्री विष्णु सिंह राजपूत जनरल स्टोर का व्यवसाय करते हैं। पहले दुकान के लिए सामान लाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। अब मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिलने से वे स्वयं बाजार जाकर आवश्यक सामग्री खरीद सकेंगे और अपने व्यवसाय को अधिक सुचारु रूप से संचालित कर पाएंगे। विष्णु सिंह राजपूत कहते हैं कि ÷अब मुझे अपने काम के लिए किसी दूसरे का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। यह ट्राईसाइकिल मेरे लिए आत्मनिर्भर बनने का सबसे बड़ा माध्यम है।÷ बृहस्पति साहू और विष्णु सिंह राजपूत जैसे अनेक दिव्यांग हितग्राहियों के लिए यह सहायता केवल एक वाहन नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की नई पहचान बन रही है। समाज कल्याण विभाग की यह पहल उन्हें न केवल बेहतर आवाजाही की सुविधा दे रही है, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का नया हौसला भी दे रही है।

शिवरीनारायण में पंडित हरीश तिवारी की वैवाहिक वर्षगांठ पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन

बिलासपुर

जांजगीर चांपा -- धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में शबरी नारायण भगवान मंदिर के पुजारी पंडित हरीश तिवारी एवं उनकी धर्मपत्नी की वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर केरा चौक स्थित वीर कॉम्प्लेक्स में श्रीराम भक्त हनुमान जी को समर्पित सुंदरकांड पाठ का भक्तिमय आयोजन किया गया।

लक्ष्मणेश्वर धाम, खरौद के कथा व्यास पंडित ओम प्रकाश शर्मा ने सुंदरकांड का भावपूर्ण पाठ करते हुए इसके आध्यात्मिक एवं जीवनोपयोगी महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सुंदरकांड का श्रवण एवं पाठ व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

पूरे आयोजन के दौरान श्रीराम एवं हनुमान जी के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के अंत में आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मुख्य यजमान पंडित हरीश तिवारी अपनी धर्मपत्नी सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे और सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत किया। एवं आभार जताया इस अवसर पर वीरेंद्र तिवारी, मुख्तियार सुखराम दास, अंकित तिवारी, हर्षवर्धन तिवारी, अभिनव तिवारी, अभिषेक तिवारी, चेतन शर्मा, दिनेश शर्मा, नरेंद्र शुक्ला, दीनदयाल शास्त्री, मिहिर दुबे, ओम प्रकाश साहू, राजेश गुप्ता, अश्वनी के.वा., अजय केवट, उग्रेश्वर गोपाल केवट सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने दंपति को वैवाहिक वर्षगांठ की शुभकामनाएँ दीं।

उच्च शिक्षा मंत्री वर्मा जी के प्रति जताया आभार राजेश्री महन्त जी ने

जांजगीर चांपा -- श्री महन्त लाल दास कला एवं विज्ञान महाविद्यालय शिवरीनारायण को छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा बीकॉम, बीएससी माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी तथा एमए भूगोल के लिए नवीन संकाय प्रारंभ करने की अनुमति मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिक्षा सत्र 2026 -27 में महाविद्यालय को बीकॉम के लिए चालीस सीट नवीन संकाय, एमए भूगोल के लिए पच्चीच सीट नवीन संकाय तथा बीएससी माइक्रोबायोलॉजी एवं बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के लिए तीस तीस सीट अतिरिक्त विषय के रूप में मान्यता मिली है। इससे जहां एक ओर महाविद्यालय परिवार में प्रसन्नता व्याप्त है वहीं दूसरी ओर छात्र-छात्राओं को अपने अंचल में ही रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा को लेकर अभिभावकों के बीच भी हर्षोल्लास व्याप्त हुआ है। महाविद्यालय के इस उपलब्धि के लिए महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने छत्तीसगढ़ राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय टंकराम वर्मा जी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही माननीय मंत्री जी से उनके बंगले में पहुंचकर अपने सहयोगियों सहित सौजन्य भेंट-मुलाकात की थी। भेंट मुलाकात करने वालों में महाराज जी के साथ शिवरीनारायण मठ ट्रस्ट कमेटी के सदस्य सुखराम दास, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव एवं हर्ष दुबे विशेष रूप से शामिल थे।

महानदी किनारे अमृत जल जीवन मिशन के तहत खोदे गए गड्ढों में शुरू हुआ क्रांकिटी करण, सड़क की बदलेगी तस्वीर

बिलासपुर

जांजगीर चांपा -- नगर पंचायत शिवरीनारायण के वार्ड क्रमांक चार सहित महानदी तट के मुख्य मार्ग पर लगभग एक वर्ष से अमृत जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल पाइपलाइन विस्तार का कार्य चल रहा है लंबे समय तक कार्य अधूरा रहने के कारण स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब पिछले कुछ दिन से निर्माण कार्य विभाग द्वारा सड़क की क्रांकिटी करण कार्य कराए जा रहे हैं।

वर्तमान में रामघाट, बाबाघाट, सावघाट, बनियाघाट एवं महंत स्कूल मार्ग तक पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत एवं कंक्रीटीकरण का कार्य जारी है। कार्य पूर्ण होने के बाद इस प्रमुख मार्ग की सुंदरता और मजबूती दोनों में सुधार देखने को मिलेगा प्राप्त जानकारी के अनुसार अमृत जल जीवन मिशन के तहत नगर के सभी पात्र परिवारों को नए घरेलू नल कनेक्शन निशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कनेक्शन प्राप्त करने के लिए हितग्राहियों से केवल राशन कार्ड की फोटोकॉपी, आधार कार्ड की फोटोकॉपी तथा मोबाइल नंबर लिया जा रहा है। आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद विभाग द्वारा निःशुल्क नल कनेक्शन प्रदान किया जा रहा है।

इसी क्रम में महानदी किनारे महंतपारा स्थित वार्ड क्रमांक तीन एवं चार में भी नए जल कनेक्शन देने का कार्य निरंतर जारी है। विभागीय अमला घर-घर पहुंचकर पाइपलाइन से जोड़ने और आवश्यक तकनीकी कार्यों को पूरा कर रहा है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे उनकी दैनिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति अधिक सुगमता से हो सकेगी।

नगरवासियों को उम्मीद है कि शेष कार्य भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर लिए जाएंगे, जिससे लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का स्थायी समाधान होगा

दस से बारह दिनों से खुली पड़ी नाली, नल-जल योजना का कार्य ठप; राहगीर हो रहे परेशान

बिलासपुर

-- धार्मिक एवं पर्यटन नगरी शिवरीनारायण में नल-जल योजना के तहत खोदी गई नाली पिछले दस से बारह दिनों से खुली पड़ी है, लेकिन उसे भरने या मरम्मत करने का कोई कार्य नहीं किया जा रहा है। इससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और व्यापारिक कार्यों से आने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति नल-जल योजना के ठेकेदार की मनमानी का परिणाम है। लंबे समय से कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने के कारण सड़क पर आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है।

शिवरीनारायण प्रदेश का प्रसिद्ध धार्मिक, पर्यटन एवं व्यापारिक केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और खरीदार पहुंचते हैं। ऐसे में नगर की मुख्य गलियों में इस तरह की अव्यवस्था से नगर की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ÷स्वच्छ नगर, सुंदर नगर÷ की पहचान रखने वाले शिवरीनारायण में इस प्रकार की लापरवाही लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

नागरिकों ने नगर पंचायत एवं संबंधित ठेकेदार से जल्द से जल्द अधूरा कार्य पूरा कर नाली को बंद करने तथा सड़क को पूर्ववत करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और नगर की स्वच्छ एवं सुंदर छवि बनी रहे।

बकाया राशि नहीं चुकाने वाले 5 पूर्व सरपंचों को अंतिम नोटिस, 3 दिन में जमा नहीं की राशि तो होगी सख्त कार्रवाई

बिलासपुर

बार-बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद शासकीय बकाया राशि जमा नहीं करने वाले 5 पूर्व सरपंचों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसडीएम सिमगा अतुल शेट्टे ने कुल 14.67 लाख रुपये की शासकीय बकाया राशि की वसूली के लिए संबंधित पूर्व सरपंचों को अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किया है।

एसडीएम ने बताया कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के तहत पूर्व सरपंचों को कई बार राशि जमा करने के लिए नोटिस दिए गए, लेकिन राशि जमा नहीं की गई। अब उन्हें 13 जुलाई 2026 तक बकाया राशि एकमुश्त जमा करने का अंतिम अवसर दिया गया है। निर्धारित समय सीमा तक राशि जमा नहीं करने पर वसूली की कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा राशि जमा होने तक अथवा अधिकतम एक माह के लिए सिविल जेल भेजे जाने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

इन पूर्व सरपंचों को जारी हुआ अंतिम नोटिस

प्रेम सिंह ध्रुव, ग्राम भटभेरा - 9,15,997
निर्मला साहू, ग्राम अडबांधा -37,500
माधुरी, ग्राम लिमतरा -37,500
मानसिंह साहू, ग्राम ढेकुना -1,80,000
देवनारायण साहू, ग्राम खिलोरा -2,96,713

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के भीतर बकाया राशि जमा नहीं करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नवागत पुलिस अधीक्षक शहडोल नें किया पदभार ग्रहण

नवागत पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री संजय कुमार अग्रवाल ने दिनांक 8 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक, शहडोल के पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया

बिलासपुर

पुलिस अधीक्षक शहडोल मध्यप्रदेश पुलिस राज्य पुलिस सेवा (SPS) के वर्ष 1997 बैच के अधिकारी हैं तथा वर्ष 2016 से भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने बी.ए.एम.एस. एवं एल.एल.बी. की शिक्षा प्राप्त की है।

इससे पूर्व वे डीसीपी इंटेलिजेंस भोपाल तदोपरांत मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में पदस्थ रहे हैं। अपने सेवाकाल में उन्होंने भिंड, नीमच, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दतिया, शिवपुरी एवं जबलपुर, भोपाल सहित विभिन्न जिलों में कार्य किया है। इसके अतिरिक्त वे पुलिस अकादमी, सीआईडी, विशेष शाखा, विशेष सशस्त्र बल (SAF), आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW), एसआईएसएफ सहित विभिन्न महत्वपूर्ण इकाइयों में भी सेवाएँ दी हैं। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए इन्हैं मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2017-2018 का के.एफ. रुस्तम पुरस्कार तथा वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्पति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा कहा गया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम तथा आमजन के साथ संवेदनशील एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने जिलेवासियों से पुलिस के साथ सहयोग करते हुए सुरक्षित एवं अपराधमुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की।

बुढार में कई विकास कार्य योजनाओं का भूमिपूजन संपन्न

विधायक जैतपुर जय सिंह रहे उपस्थित

बिलासपुर

सुंदर बुढार स्वच्छ बुढार की परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए बुढार नगर परिषद के द्वारा कई प्रकार के विकास कार्य संपूर्ण नगर में करवाए जा रहे हैं इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 15 में भी आज कई विकास कार्य योजनाओं का भूमिपूजन जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री जय सिंह मरावी के मुख्य उपस्थिति साथ ही नगर परिषद बुढार की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के विशिष्ट आतिथ्य एवं नगर परिषद बुढार मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सौरभ श्रीवास्तव की उपस्थिति में संपन्न हुआ लगातार बुढार विकास पथ पर अग्रसर है और बुढार नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों का निरंतर सुगम संचालन नगर परिषद बुढार अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के नेतृत्व में हो रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प 2047 को गति देने के प्रयास से क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देकर बुढार नगर परिषद को आदर्श नगर परिषद बनाने का संकल्प जो शालिनी ने लिया था उसके अब सार्थक परिणाम भी सामने आने लग गए हैं जिससे क्षेत्र की जनता अत्यंत प्रसन्नता के साथ देख रही है और कार्यों का अभिनंदन कर क्षेत्रीय विधायक जय सिंह मरावी एवं बुढार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और उनकी परिषद की भूरी भूरी प्रसंशा भी कर रही है

विकास कार्यों से समृद्धि की ओर बुढार परिषद अग्रसर जैतपुर विधायक श्री जय सिंह मरावी के आदर्श मार्गदर्शन और उनके प्रयासों से साथ ही बुढार नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के कुशल नेतृत्व में निम्न विकास कार्यों का किया गया भूमिपूजन जो इस प्रकार है भूमि पूजन किए गए कार्यों में मुख्य रूप से वार्ड कमांक 07 में फिल्टर प्लांट तिराहा से एफ.सी.आई गोदाग तक सीसी रोड निर्माण कार्य,वार्ड कमांक 15 में लक्ष्मण कोल के घर से आगे बस्ती तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड कमांक 5 में सूरज सोनी के घर से शारदा ट्रेडर्स के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड कमांक 07 में बड़ा तालाब से परियोजना कार्यालय तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 15 में टिकुरी टोला बस्ती से दुर्गा मंदिर तक सी.सी. रोड एवं इलेक्ट्रिफिकेशन का कार्य, शुभम पाठक के कड़ी मेहनत प्रयास से आखिरकार कर सफल रहा शुभम पाठक अपने वार्ड के लिए हमेशा कोई भी जिम्मेदारी को बखूबी से निभाते हैं जैसे कोई समाजिक कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं और उनकी टीम सदा शुभम के साथ कंधे से कंधे मिलाकर कर करते हैं वार्ड कमांक 03 सोनारन टोला में टॉपलेयर सी.सी. रोड निर्माण कार्य। वार्ड कमांक 07 सैटिन बस्ती में टॉपलेयर 500 मीटर रोड निर्माण वार्ड कमांक 06 में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य। वार्ड कमांक 09 में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य।

*भूमिपूजन उपरांत भाजपा नेता शुभम पाठक के निवास पर क्षेत्रीय विधायक श्री जय सिंह मरावी ने भाजपा कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भेंट की और उनका कुशल क्षेम जाना इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी शुभम पाठक युवा सामज सेवी भाजपा वरिष्ठ नेता पुष्पेंद्र ताम्रकार भाजपा जिला मंत्री श्री कृष्ण गुप्ता सुधाकर शर्मा लोकप्रिय कांग्रेस युवा पार्षद मोहन बैगा यौगेद सिंह पार्षद हर्ष पाठक नगर परिषद बुढार के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सौरभ श्रीवास्तव सहित गीता प्रजापति सविता सिंह कजल सरावगी सुमित्रा नामदेव पार्षद संजय नैनानी विनोद पाठक चंद्रप्रकाश पांडे इंजीनियर संजय द्विवेदी संजय नैनानी भाजपा के वरिष्ठ नेता पत्रकार प्रदीप शर्मा, दिनेश चौधरी, (पत्रकार) पत्रकार रवि त्रिपाठी,साथी एवं समाजसेवी वार्डवासी अजय सिंह गोविंद प्रजापति मोहन प्रजापति रवींद्र सिंह बघेल निलमाणी सुमित पाठक शानी पाठक जगेश्वर विजय सिंह देवेंद्र सोधिया विजय केवट प्रकाश पाल सुंदर सिंह राणा उतम बैगा उपस्थित रहें।

क्लीनिकल रिसर्च में बेहतरीन कैरियर

क्लीनिकल रिसर्च एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके माध्यम से तमाम नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 12 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट हो जाने के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर एनडीए (न्यू ड्रग अप्रूवल) मिलता होता है। एक बार एनडीए हासिल हो जाने के बाद कंपनी उस ड्रग को मार्केट में उतार सकती है। जब कोई नई दवा लांच करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लीनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लीनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। यदि आप भी इस बढ़ते हुए बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो क्लीनिकल ट्रायल या क्लीनिकल रिसर्च से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। भारत में क्लीनिकल ट्रायल इंडस्ट्री करीब 30 करोड़ डॉलर की है और वर्ष 2011 तक बढ़ कर यह इंडस्ट्री दो अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दुनिया की प्रमुख दवा कंपनियां अब क्लीनिकल रिसर्च संबंधी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही हैं।

क्लीनिकल रिसर्च के कोर्स में एंट्री के लिए विज्ञान में स्नातक होना जरूरी है। इसके अलावा, डी.फार्मा, बी.फार्मा, एम.फार्मा आदि के स्टूडेंट्स भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों से क्लीनिकल रिसर्च में डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि किया जा सकता है।

भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं। जो छात्र इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह एक आकर्षक कैरियर विकल्प है। भारत में कई संस्थानों द्वारा क्लीनिकल रिसर्च से संबंधित कोर्स करवाए जाते हैं। क्लीनिकल रिसर्च के अंतर्गत आप एडवांस प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, बीएससी इन क्लीनिकल लेबोरेटरी टेक्नोलाजी, बीएससी इन क्लीनिकल माइक्रो बायोलाजी, सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, इंटिग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, एमएससी इन क्लीनिक माइक्रो बायोलाजी, पीएचडी इन क्लीनिकल रिसर्च, कारेसपोंडेंट कोर्स इन क्लीनिकल रिसर्च, डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, प्रोफेशनल डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च और बैचलर डिग्री इन क्लीनिकल रिसर्च आदि कोर्स कर सकते हैं।

कैरियर बनाने के लिए इन बातों पर करें गौर

आज के जमाने में मेहनत और पसीना बहाने वालों को बेहतर काम मिले इस बात की कोई ग्यारंटी नही है। आज मेहनत के साथ आपका अन्य कई सारी चीजों में भी पारंगत होना जरूरी है। आज का जमाना स्मार्टवर्क का है। जहां आपसे कम समय में बेहतर और कई सारे काम करनें की अपेक्षा की जाती है। करियर बनाने के इन दस टिप्स से आप सफलता हासिल कर सकते हैं।

आज का जमाना कॉम्पिटीशन का जमाना है। अगर यहा जरा से भी चूके तो पीछे वाले आपसे आगे हो जाता है। ऐसे में अपने करियर की राह सजाना और अपने करियर को बुलंदियों पर ले जाना काफी मुश्किल और चुनौतिपूर्ण काम हो जाता है। ऐसे में अपने मनचाहे क्षेत्र में करियर निर्माण की राह तलाशना इतना आसान भी नही है। आज के बदलते परिवेश में अच्छा करियर हासिल करने के लिए कई क्षेत्रों में पारंगत होना पड़ता है और अपनी योग्यताओं को लगातार विकसित करना होता है।

खुद की क्षमता को

मौजूदा परिस्थितियों में हमें लगता है कि अच्छी पढ़ाई और अच्छी डिग्रीयों के दमपर ही अच्छी नौकरी पायी जा सकती हैं। पर ये गलत है। अच्छी और बेहतर नौकरी के लिए आपमें एजुकेशन के साथ अच्छी स्किल्स का होना भी जरूरी है। अपने अंदर झांककर अपनी प्रतिभा को टटोलें कि किन क्षेत्रों में आप अपनी दक्षता को विकसित कर बाजी मार सकते हैं। जो क्षेत्र आपको सर्वाधिक उपयुक्त लगे, उसमें विशेषज्ञों की सलाह लेकर अपना कौशल बड़ाएं।

आत्मविश्वास है सफलता की कुंजीआप किसी भी चीज में सफल होना चाहते है चाहे वो करियर हो, बिजनेस हो या एजुकेशन हों। आपकों जीत के लिए सबसे पहले आत्मविश्वास का होना जरूरी है। जीवन के कुरुक्षेत्र में आधी लड़ाई तो आत्मविश्वास द्वारा ही लड़ी जाती है। यदि योग्यता के साथ आत्मविश्वास विकसित किया जाए तो करियर के कुरुक्षेत्र में आपको कोई पराजित नहीं कर पाएगा। अध्ययन के साथ-साथ उन गतिविधियों में भी हिस्सा लें, जिनसे आपका आत्मविश्वास बड़े। कार्यशालाओं और व्यक्तित्व विकास वाली संस्थाओं में यही सब तो किया जाता है।

अपने संपर्क बनाएं

एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि आप अपने आप को किसी दायरें में ना समेटे। लोगों से मिले-जुलें उनसे अपनी जान पहचान बनाएं। याद रखें यह जमाना ही सूचना प्रौद्योगिकी का है। यहां जितनी जानकारी, जितनी सूचनाएं आपके पास होंगी, करियर निर्माण की राह उतनी ही आसान होगी। ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें, उन्हें अपनी जानकारी दें, उनकी जानकारी लें। आपके जानने वालों का संजाल जितना लंबा होगा सफलता उतनी ही आपके करीब होगी। क्योंकि संपर्क, सफलता में उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है।

तकनीक के साथ साथ चलेंएक बात को कभी नही नकारा जा सकता कि प्रतियोगिता के इस दौर में कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तकनीक को जानना समझना और उसका भरपूर प्रयोग करना जरूरी है। पुराना भले ही सुहाना माना जाता हो, लेकिन आज की प्रतिस्पर्धा में नई तकनीक का महत्व नकारा नहीं जा सकता है। किसी भी क्षेत्र में प्रवेश से पहले पूछा जाता है, क्या कम्प्यूटर चलाना आता है? कम्प्यूटर के आधारभूत ज्ञान के बजाय थोघे ज्यादा दिलचस्पी दिखाएं क्योंकि यही वह अलादीन है, जो करियर निर्माण की हर मांग को पूरा कर सकता है।

अच्छा व्यवहार सबके सा

आपका दूसरों के प्रति व्यवहार आपकों सबसे अलग बनाता हैं। आप जैसा दूसरों से व्यवहार करते है। वैसा ही व्यवहार अक्सर आपके साथ किया जाता है। यदि आप किसी के साथ सम्मान से पेश आयेंगे तो वह भी आपके साथ सम्मान से पेश आयेगा। आपका संघर्ष, आपकी परेशानी नितांत निजी मामला है। इसका असर दूसरों के साथ अपने व्यवहार में न आने दें। जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है।

ओवर एंबिशियस

आजकल हर इंसान कम समय में बहुत कुछ पाना चाहता है। प्रत्येक इंसान में महत्वाकांक्षा का होना जितना अच्छा है, उसकी अतिमहत्वाकांक्षा उतनी ही नुकसानदायक होती है क्योंकि 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' किसी करिश्मे की उम्मीद न करें। सभी चीजें समय पर ही मिलती हैं। पहले अनुभव प्राप्त करें, फिर आकांक्षा करें।

समय के साथ चलें

आज प्रतियोगिता इतनी बढ़ गयी है ऐसे में आप को जमाने के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की आवश्यकता होती है।

आज करियर निर्माण बाजार में उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की तरह हो गया है। प्रतिस्पर्धा के बाजार में वही वस्तु टिक सकती है, जिसमें समयानुसार ढलने की प्रवृत्ति हो। करियर के बाजार में अपना मूल्य समझें और स्वयं को बिकाऊ बनाने का प्रयास करें। ध्यान रहे 'परिवर्तन ही संसार का नियम है।'

टेक्नोफ्रेंडली बनें

नई तकनीक की करियर निर्माण में हमेशा मांग रहती है। इससे पहले कि कोई नई तकनीक पुरानी हो जाए आप उसके उस्ताद बन जाएं। जैसे-जैसे नई तकनीक आती जाए आप उससे तालमेल करना सीख लें। अपने ज्ञान को परिमार्जित करते रहें। भविष्य उसी का होता है, जो अपने को श्रेष्ठतम तरीके से अनुकूल रूप से ढाल लेता है।

बिना वजह बढ़ने लगा है मोटापा?

भूलकर भी न करें नजरअंदाज, जानें इसके गंभीर कारण

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ता वजन एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनकर उभरा है। अक्सर लोग संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के बाद भी वजन बढ़ने की शिकायत करते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह समस्या केवल खानपान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे शरीर के आंतरिक असंतुलन और जीवनशैली से जुड़ी कई गंभीर वजहें हो सकती हैं। इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज करना भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं को न्योता दे सकता है।

जीवनशैली और शारीरिक असंतुलन का प्रभाव- वजन बढ़ने के सबसे प्रमुख कारणों में शारीरिक निष्क्रियता और कैलोरी का असंतुलित सेवन शामिल है। आधुनिक जीवनशैली में लैपटॉप या मोबाइल का अत्यधिक उपयोग और लंबे समय तक बैठकर काम करने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है। इसके अलावा, नींद की कमी भी भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स को बिगाड़ देती है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख लगती है। साथ ही, उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों की मात्रा में कमी आना भी प्राकृतिक रूप से शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता को कम कर देता है।

हार्मोनल परिवर्तन और चिकित्सकीय कारक-कई मामलों में वजन का बढ़ना शरीर के हार्मोनल असंतुलन का संकेत होता है। थायरॉयड ग्रंथि का धीमा होना मेटाबॉलिज्म की दर को काफी कम कर देता है, जिससे कम खाने पर भी वजन तेजी से बढ़ता है। महिलाओं में मेनोपॉज, गर्भावस्था और पीसीओएस जैसे बदलाव भी वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अतिरिक्त, तनाव के दौरान शरीर में बढ़ने वाला कोर्टिसोल हार्मोन भावनात्मक रूप से ज्यादा खाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है।

सावधानी और उचित कदम-यदि बिना किसी स्पष्ट कारण के आपका वजन अचानक तेजी से बढ़ रहा है, तो इसे केवल लापरवाही न मानें। समय रहते डॉक्टर से परामर्श करना और थायरॉयड जैसी जरूरी जांच करवाना बेहद आवश्यक है। केवल डॉक्टर की सलाह पर ही दवाओं में बदलाव करें।

ऑफिस में आती है नींद, ये उपाय दूर करेंगे आलस्य !

ऑफिस में नींद आये अक्सर नींद पूरी न होने या थकान के कारण भी नींद आने लगती है। पर हर समय जम्हाई लेना भी अच्छी बात नहीं। इससे न सिर्फ दूसरे आपको देकर खुद भी इससे प्रभावित होंगे बल्कि उन पर आपके लिए गलत प्रभाव भी पड़ेगा। बॉस की नजर में भी आप एक अच्छे कर्मचारी के बजाए आलसी और सुस्त कर्मचारी बन जाएंगे।

हम बताते हैं अगर ऑफिस में नींद आये तो क्या करें।

खुद बनाकर लाएं अपनी कॉफी या चाय

जब भी लगे कि ऑफिस में भी नींद का झोंका आपको परेशान कर रहा है। फौरन अपनी सीट से उठें और प्यून से चाय या कॉफी की डिमांड करने के बजाए खुद ही उसे बनाएं या मशीन से लेकर आएं। ऐसा करने से आपको अपनी जगह से उठना पड़ेगा और आपका ध्यान नींद की तरफ से हटेगा। कॉफी पीने से थोड़ी चैतन्यता आएगी और दोबारा रिचार्ज होकर काम पर फोकस कर पाएंगे।

तुरंत किसी दोस्त को फोन मिलाएं

नींद की खुमारी का अहसास होने लगे तो सबसे पहले अपने किसी ऐसे दोस्त को फोन मिलाएं जिससे काफी समय से आपकी बात नहीं हुई है। लेकिन ध्यान रहे सामने वाले को इस बात का अहसास न हो कि अपनी नींद भगाने के लिए आपने उसे परेशान किया। दोस्त से बात करने से दो फायदें होंगे। पहला उससे अच्छा लगेगा कि काफी समय बाद आप लोगों ने एक दूसरे का हाल-चाल लेने के लिए फोन किया दूसरा

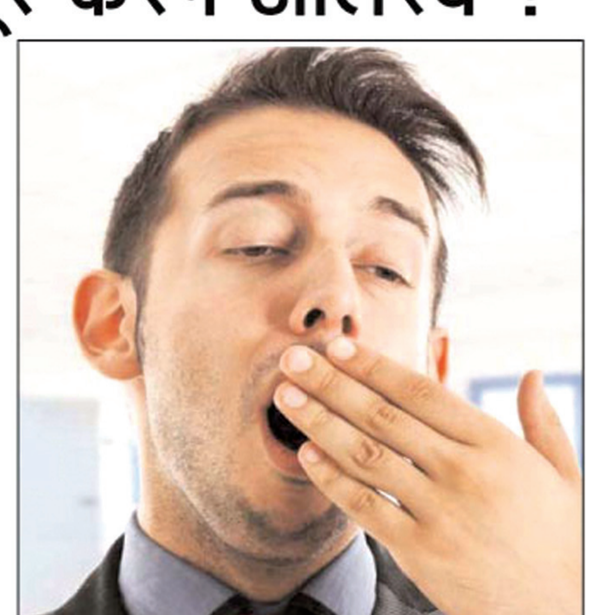

साथियों के साथ हंसी मजाक करने से न सिर्फ आपकी सुस्ती दूर होगी बल्कि हल्के मूड में आने के बाद आपके काम करने की क्षमता और बढ़ जाएगी। हमें आशा है कि अगर आपको ऑफिस में नींद आये तो इन टिप्स को आप जरूर आजमाएंगे।

बात करते समय थोड़ी देर के लिए अपनी सीट से हट कर कहीं बाहर निकल जाएं। इससे आपकी नींद फौरन भाग जाएगी।

लाउड साउंड गाना दूर करेगा सुस्ती

आलस लगे तो इयरफोन लगाकर आप कोई डांस नंबर सॉंग भी सुन सकते हैं। हार्ड म्यूजिक और थोड़ा लाउड साउंड न सिर्फ आपकी सुस्ती को कुछ ही देर में दूर करेगा बल्कि आपको मूड भी ठीक करेगा। ऐसा करने से आप दोगुने उत्साह के साथ दोबारा ऑ?फिस के काम करने में मन लगा पाएंगे।

सह कर्मचारी से गपशप

ऑफिस में एक ही जगह-जगह बैठे-बैठे इंसान न सिर्फ बारियत महसूस करने लगता है बल्कि उसे आलस के कारण भी नींद का अनुभव होने लगता है। इसका मतलब ये नहीं कि आप हमेशा अपनी सीट छोड़ दूसरे की सीट पर दिखाई दें इसका मतलब ये है कि अगर ऐसा हो तो अपनी सीट से उठकर कलीग के पास जाकर उससे कुछ देर इधर-उधर की बातें करें। साथियों के साथ हंसी मजाक करने से न सिर्फ आपकी सुस्ती दूर होगी बल्कि हल्के मूड में आने के बाद आपके काम करने की क्षमता और बढ़ जाएगी। हमें आशा है कि अगर आपको ऑफिस में नींद आये तो इन टिप्स को आप जरूर आजमाएंगे। ऑफिस में नींद का झोंका आना बड़ी ही मामूली सी बात है बस ये हम पर निर्भर करता है कि इस परिस्थिति में आने के बाद हम खुद को नीदं के चंगुल से कैसे बचाएं।

ये 7 चीजें जो आपको बनाएगी स्मार्ट टीम लीडर

वर्तमान दौर लीडरशीप का है। राजनीति हो यो बिजनेस, व्यापार हो या नौकरी सभी में एक ऐसे लीडर की जरुरत होती है जो कम्पनी या संस्था को एक अच्छे मुकाम पर ले जाने में अपनी अहम भूमिका अदा करे।

किसी से काम निकलवाना कोई आसान काम नहीं। यह काम वही कर सकता है जिसमें लीडरशीप के गुण हो इसलिए एक टीम लीडर में कुछ खास गुण होने चाहिए जो उन्हें दूसरों से अलग बनाए। अगर आप भी ऐसे ही टीम लीडर बनना चाहते हैं तो हमारी कुछ आपके बहुत काम आ सकती है। हम सात ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिस अपनाकर आप एक स्मार्ट टीम लीडर बन सकते हैं।

स्मार्ट टीम लीडर

1. एक अच्छे टीम लीडर को पता होता है कि अपने किस इम्पलाइ से किस तरह काम निकालना है क्योंकि एक टीम में हर तरह के इम्पलाइ होते हैं। कुछ मोर टैलेंटेड, कुछ टैलेंटेड तो कुछ ऐसे भी होते है जिनके पास टैलेंट तो होता है फिर भी काम नहीं करना चाहते। एक अच्छा लीडर बनने के लिए आपको किस से कैसे काम निकलवाना है यह आना चाहिए।

2. अपने इम्पलाइ को हमेशा खुश रखना आना चाहिए। अगर आपके अंदर में काम करने वाले लोग खुश होगे तो वो काम में ध्यान लगाएंगे और आपको अच्छा आउटपुट देगें। जिससे आपकी कम्पनी को फायदा मिलेगा और फिर आपको।

3. एक स्मार्ट टीम लीडर के लिए आत्म जागरुक होना बहुत जरुरी है। आपके आस पास क्या चल रहा है इस बात का ज्ञान आपको होना चाहिए। तभी आप सही तरह से टीम का संचालन कर पाएंगे। अगर आपको पता ही नहीं होगा कि आपके आस पास यानी आपके कम्पनी में, आपके अंदर में काम करने वाले लोगों के बीच में क्या चल रहा है, तब तक आप सही तरह से टीम लीड नहीं कर सकते।

4. ज्यादातर टीम लीडर अपने संस्था में काम करने वाले लोगों के आईडिया, राय, फीडबैक को सुनते तक नहीं है मानना तो दूर की बात, ये एक अच्छे टीम लीडर के गुण नहीं है। एक अच्छे टीम लीडर के अंदर दूसरे के विचारों और फीडबैक के लिए जगह होना चाहिए।

5. अपने टीम मैम्बर से किए गए वादों को पूरा करने की काबिलियत होनी चाहिए। आप ऐसा कोई वादा किसी सदस्य से न करें जिसे आप पूरा करने में सक्षम न हो। अपनी वाहवाई करवाने के चक्कर में ज्यादातर टीम लीडर डींगे हांकने लगते हैं जबकि वो यह नहीं जानते कि जिनके सामने ऐसा कर रहे हैं उसे आपकी असलियत का जल्द ही पता चल जाएगा क्योंकि उनके साथ उन्हें बहुत समय रहना है।

6. अपने ऑफिस के माहौल को अच्छा बनाए ताकि आपके ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों का टैलेंट निखरे। यह सब आप पर निर्भर करता है कि आप अपने ऑफिस का माहौल कैसा बनाते हैं।

7. जो काम आप शुरु करें उसे पूरा जरुर करें। आप ऐसा कोई भी काम शुरु न करें जिसे पूरा न कर सकें। इसके बहुस से नुकसान है। पहला नुकसान तो आपकी कम्पनी को होगी कि उसकी मार्केट वल्यू कम होगी। दूसरा आपको क्योंकि आप उस कम्पनी से जुड़े हैं। इस तरह से

आप स्मार्ट टीम लीडर बन सकते है ङ्क इसलिए नए साल है अपनी एक नई शुरुआत कीजिए और खुद को एक स्मार्ट टीम लीडर बनाइए। एक सबसे खास बात यह है कि एक कम्पनी टीम से ही तैयार होती है। बिना टीम के किसी कम्पनी की कल्पना कोरा कागज जैसी होगी। तो बस इन बातों पर अमल कीजिए और स्वयं और कम्पनी दोनों को ऊंचे मुकाम पर ले जाइए।

साइनुसाइटिस

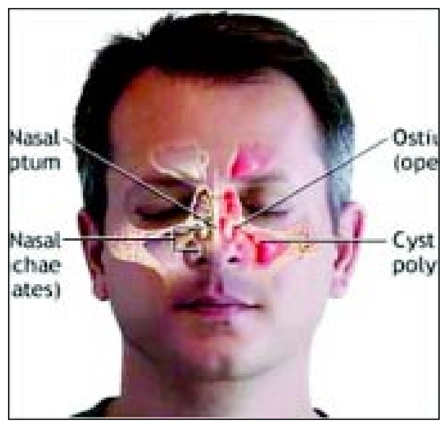

किसी भी संक्रमण से हुए सर्दी, नजला, जुकाम जब लंबे समय तक बने रहते हैं, तो वे साइनस की तकलीफ का रूप धारण कर लेते हैं। नाक की जड़ की हड्डियों के ढांचे में जो छिद्र होते हैं उन्हें साइनस के नाम से जाना जाता है। जब साइनस में श्लेष्मा अधिक देर तक जमा रहता है, तो इससे उनमें सूजन पैदा हो जाती है जिससे श्वास लेने में तकलीफ होती है, सर्दी-जुकाम जल्दी-जल्दी होने लगता है, नाक के पिछले भाग में भारीपन रहने लगता है, सिरदर्द लगातार बना रहता है, जिससे तनाव की अनुभूति होने लगती है। स्वाद और गंध को महसूस करने की शक्ति क्षीण हो जाती है।

रोग के उपचार के लिए बढ़े हुए श्लेष्मा को निकालना तथा साइनस पॉकेट्स की सफाई के साथ-साथ हल्के सेक और जल-नेति कराया जाता है। योगासनों के द्वारा शरीर की आंतरिक ऊर्जा में बढ़ोतरी हो जाती है। यौगिक उपचार में ताड़ासन, सूर्य नमस्कार [सभी के पांच-पांच चक्र], शवासन [पांच मिनट के लिए], पश्चिमोतानासन, शशांकासन, धनुरासन तथा भुजंगासन, प्राणायाम में सूर्यभेदी एवं भ्रस्त्रिका तथा षटकर्मों में कुंजल, जल नेति एवं कपाल भाति इसके लिए बहुत उपयोगी है। एक-दो दिन का उपवास आवश्यक है। अगर कब्ज हो, तो कब्ज टूटने तक एनिमा लें। पांच-सात दिन तक उबली शाक-सब्जी, सूखे मेवे, मौसमी फल और शहद लें। नित्य गाजर और आंवले के रस में शहद मिलाकर लें। दूध या डेयरी पदार्थों से परहेज करें। केवल गाय या बकरी के गर्म दूध में हल्दी डालकर लिया जा सकता है। पेड़ू पर गीली मिट्टी की पट्टी आधा घंटा रखें। प्रतिदिन दो बार चेहरे पर पांच से दस मिनट तक भाप दें। इस समय सिर पर ठंडा तौलिया रखना आवश्यक है। उसके बाद चेहरे को गीले तौलिए से पोंछ लें। रात को सोते समय पांवों को दस से पंद्रह मिनट के लिए गर्म पानी में रखें। यह क्रिया करते समय सिर पर ठंडा तौलिया जरूर रखें। गर्म पानी से पांव निकालने के तुरंत बाद आधा मिनट पांव ठंडे ताजे पानी में रखें। दिनचर्या को सात्विक बनाएं तथा विश्राम करें। इससे कुछ ही दिनों में इस रोग से पूर्ण निजात मिल जाएगा।

हेल्थ प्लस

दिलचस्प बहुपयोगी टिप्स

गरमागरम चाय!

गरमागरम चाय की एक प्याली न सिर्फ आपकी थकान को दूर करती है बल्कि अब यह डॉक्टरों के द्वारा प्रामाणित भी है कि गरमागरम मीठी चाय स्ट्रेस हारमोन्स ग्लूकोकोर्टीकोएड के स्तर को कम करती है। लेकिन हाल ही में हुए सर्वे के अनुसार बेहद गर्म चाय से गले के कैंसर का भी खतरा होता है।

चॉकलेट जिंदगी का एक साल बढ़ाएगा!

हावर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि महीने में तीन चॉकलेट खाने से आपके जीवन में तीन साल की वृद्धि हो सकती है। एक अध्ययन में यह पता चला है कि चॉकलेट एचडीएल के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं जो एक तरह का कॉलेस्ट्रोल है जो आट्रीज में फैट जमने नहीं देता।

धुम्रपान से 10 साल कम!

धुम्रपान करने से कई तरह के कैंसर होने की संभावना रहती है। एक ताजा अध्ययन में यह पता चला है कि धुम्रपान से मनुष्य जीवन के 10 साल कम हो जाते हैं।

नींद ले लेंगी 5 साल!

6 से 7 घंटे की नींद मनुष्य के लिए जरूरी है लेकिन जब यह नींद 9 घंटे से ज्यादा हो जाए तो यह हमारे जीवन के पाँच घंटे कम कर सकती है।

ग्रीष्म ऋतु में पालन करें

- दिन में 1-1 गिलास करके बार-बार ठंडा पानी पीते रहना चाहिए। विशेषकर घर से बाहर निकलते समय एक गिलास ठंडा पानी, बिना प्यास के भी, पीकर ही बाहर निकलना चाहिए। इस उपाय से लू नहीं लगती। इसी तरह रात को 10 बजे के बाद जागना पड़े तो हर घण्टे 1-1 गिलास पानी तब तक पीते रहें जब तक सो न जाएँ। इस उपाय से वात और पित्त का प्रकोप नहीं होता।
- सुबह शौच जाने से पहले ठंडा पानी पीने की आदत डालना चाहिए। शुरू में पानी की मात्रा एक कप रखें, फिर बढ़ाते जाएँ और जितनी ज्यादा मात्रा में पी सकें उतनी मात्रा में पीने लगें। इसे उषा पान करना कहते हैं। इससे कब्ज का नाश होता है और पेट के साथ-साथ पूरे शरीर में शीतलता बनी रहती है।
- धूप में घूमते हुए या बाहर के गर्म वातावरण से घर पहुँचकर तुरंत ठंडा पानी या कोई ठंडा पेय नहीं पीना चाहिए। थोड़ी देर ठहरकर शरीर को ठंडा करके और पसीना सुखाकर ही ठंडा पानी पीना चाहिए। फ्रिज या बर्फ का पानी नहीं पीना चाहिए। पीना ही हो तो फ्रिज के पानी में आधा सादा पानी मिला कर या थोड़ी देर फ्रिज से बाहर रखने के बाद पीना चाहिए।
- रसोई घर में काम करते हुए प्यास लगे तो तत्काल ठंडा पानी न पिएँ। बाहर आकर पानी पीकर थोड़ी देर से काम शुरू करें, ताकि जल्दी प्यास न लगे। थोड़ा विश्राम करके घूँट-घूँटकर पानी पिएँ।
- महिलाएँ शिशु को दूध पिलाते समय इस बात का विशेष कर ध्यान रखें कि आपका शरीर गर्म न हो। किसी भी कारण से शरीर में बढ़ी हुई उष्णता को सामान्य करके ही दूध पिलाना चाहिए।
- ग्रीष्म ऋतु में सुबह सूर्योदय से पहले उठ कर शौच क्रिया एवं स्नान से निवृत्त हो जाने से शरीर में अतिरिक्त उष्णता नहीं बढ़ पाती। कुछ महिलाएँ रसोई घर के काम से निवृत्त होकर दोपहर को स्नान करती हैं। इससे शरीर में उष्णता बढ़ती जाती है। ग्रीष्म ऋतु में ऐसा न करके सूर्योदय से पहले ही स्नान कर लें, फिर रसोई घर में काम करें। दरअसल यह एक स्वास्थ्यरक्षक नियम है।
- ग्रीष्म ऋतु में दिनचर्या के दैनिक कार्यों के समय में परिवर्तन करें। जो काम आप अभी तक दोपहर व धूप में करते रहे हैं, उन्हें सुबह या शाम को किया करें, ताकि सूर्य की धूप और तेज गर्मी से बच सकें।

बनाएँ रखें नमक का संतुलन

चुटकीभर नमक की कमी व अधिकता खाने को बेस्वाद कर देती है, इसलिए नमक की मात्रा न कम हो न ज्यादा, बिलकुल सटीक हो। हम भोजन में नमक डालते हैं केवल इसलिए नहीं कि इससे स्वाद बनता है बल्कि इसलिए भी कि यह हमारे शरीर की जरूरत है। पर जैसे खाने में नमक की अधिकता भोजन को बर्बाद कर देती है, उसी प्रकार शरीर में नमक की कम मात्रा भी शरीर को नुकसान पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ती।

नमक (सोडियम क्लोराइड) हमारे शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने, मांसपेशियों व तंत्रिका तंत्र के सुचारु संचालन में मदद करता है। नमक हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। हमारे शरीर की खुराक केवल 500 मिलीग्राम नमक प्रतिदिन है। इसका मतलब लगभग एक चौथाई चम्मच। विशेषज्ञों के अनुसार जरूरत से ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन अस्थि विकार का कारण भी बनता है, क्योंकि नमक और कैल्शियम एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं।

इससे कैल्शियम रक्त में समाहित होने की बजाए मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाता है। साथ ही नमक पानी एकत्र हो जाने की समस्या को और गहरा बना सकता है, जिसका सामना महावारी शुरू होने से पहले ज्यादातर महिलाएँ करती हैं। यह पैरों में ज्यादा मात्रा में तरल होने की समस्या पैदा कर सकता है, विशेषकर जब आप बैठे होते हैं। इसलिए जब भी आप फ्रेंच फ्राइच, पिज्जा, आलू चिप्स या चाइनीज फ्रूड खाते हैं तो आपके शरीर में चर्बी और नमक दोनों इकट्ठा होते हैं।

कोशिश करके नीबू की बजाए भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए तुलसी का रस, कालीमिर्च का पाउडर अथवा रोजमेरी का इस्तेमाल करें। इससे स्वाद के साथ समझौता किए बिना नमक की मात्रा में कटौती हो जाती है। इसके अलावा अजमोदा जैसे पदार्थ भी नमक की तलब को शांत करते हैं और चिप्स से तो कहीं बेहतर होते हैं। कुल मिलाकर कहें तो इसका यह मतलब नहीं है कि आप अपने पसंदीदा भोजन का त्याग कर दें।

मान लीजिए आप दोपहर में फास्ट फूड के लिए जा रहे हैं तो अपने रात के खाने में नमक की मात्रा कम करने की योजना पहले ही बना लें। विशेषज्ञों का यही कहना है कि अपने भोजन को संतुलित रखें।

सर्दी-खाँसी के घरेलू नुस्खे

- अजवायन, पीपल, अडूसा के पत्ते तथा पोस्त-डोडा-इनका क्वाथ बनाकर पीने से खाँसी, श्वास तथा कफ ज्वर का शमन होता है।
- संभालू के पत्तों का क्वाथ और पीपल का चूर्ण मिलाकर पीने से कफ ज्वर का शमन होता है।
- हल्दी और दूध गर्म कर उसमें थोड़ा सा नमक और गुड़ डालकर बच्चों को पिलाने से जुकाम तथा कफ रोग मिटता है।
- नागरबेल के पत्ते पर एरंड का तेल लगाकर और उसे थोड़ा सा गर्म करके छोटे बच्चों की छाती पर रखकर गर्म कपड़े से हल्का सेंक करने से बालक की छाती में जमा कफ पिघल कर निकल जाता है।
- हींग को शराब में खरल करके सुखा लें, उसे दो रत्ती की मात्रा में लेकर मक्खन के साथ खाने से खाँसी, श्वास और दूषित कफ विकार ठीक हो जाता है।
- पुदीने का ताजा रस या अर्क कफ, सर्दी एवं मस्तिष्क की सर्दी में अत्यंत उपयोगी है।
- अदरक का रस, नींबू का रस और सेंधा नमक एक साथ मिलाकर भोजन के पहले सेवन करने से अग्नि प्रदीप्त होती है। खाँसी, सूजन, कफ और श्वास में भी इससे फायदा होता है।

बच्चों की सेहत और शहद

भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएँ घर के कामों के साथ-साथ बाहरी कामों में भी पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर हाथ बँटाने लगी हैं। इस वजह से आजकल की माताओं के पास अपने बच्चे के पूर्ण पोषण के लिए समय की बहुत कमी हो गई है। जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में होने वाली गिरावट आमतौर पर देखी जा सकती है।

शहद बच्चों की सेहत बनाने में काफी सहायता प्रदान कर सकता है। आमतौर पर बच्चों के शारीरिक विकास एवं पाचन क्रिया को सुचारु रखने के लिए जिन पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, लगभग वे सभी पोषक तत्व शहद में पाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त शहद में रोगाणु व विषाणुओं से लड़ने की अद्भुत क्षमता होती है। इसीलिए आयुर्वेद चिकित्सा शास्त्रों में शहद को माँ के दूध के बाद सर्वाधिक पोषक तत्व धारक रत्न की संज्ञा दी गई है।

शहद में विटामिन 'ए' व 'बी' की प्रचुर मात्रा के अलावा अनेक कार्बनिक एवं अकार्बनिक तत्वों का संग्रह होता है। अतः शहद इन तत्वों के अभाव में होने वाले रोगों से बच्चों को बचाता है तथा इन तत्वों की कमी को पूर्ण करता है। वे बच्चे जिनकी पाचन क्रिया ठीक से संचालित नहीं होती है, उन्हें दूध, दही, चावल, दलिया, केला, खीर आदि के साथ-साथ थोड़ी मात्रा में शहद दे दिया जाए तो पाचन आसानी से हो जाता है।

आयुर्वेद में ऐसी मान्यता है कि अलग-अलग स्थानों पर लगने वाले छत्तों के शहद के गुण वृक्षों के आधार पर होते हैं। जैसे नीम पर लगे शहद का उपयोग आँखों के लिए, जामुन का मधुमेह, सहजने का हृदय, वात तथा रक्तचाप के लिए बेहतर होता है। इसके अलावा भी शहद का सेवन कई रोगों में उपयोगी है।

शहद सेवन के फायदे :

- अदरक के रस में या अडूसे के काढ़े में शहद मिलाकर देने से खाँसी में आराम मिलता है।
- पके आम के रस में शहद मिलाकर देने से पीलिया में लाभ होता है।
- जिन बच्चों को शकर का सेवन मना है, उन्हें शकर के स्थान पर शहद दिया जा सकता है।
- उल्टी (वमन) के समय पोदीने के रस के साथ शहद का प्रयोग लाभकारी रहता है।

शहद से नुकसान :

गर्मी के दिनों में अधिक गर्म पानी, गर्म दूध, अधिक धूप में बच्चों को शहद का प्रयोग हानिकारक साबित होता है। साथ ही घी की समान मात्रा प्रयोग करने पर यह विष की भाँति कार्य करने लगता है। इसलिए इन स्थितियों में इसका प्रयोग सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3868

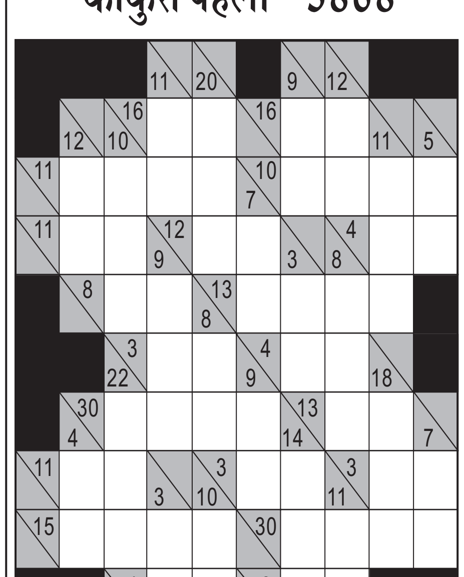

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

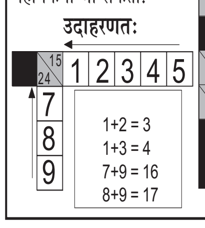

काकुरो - 3867 का हल

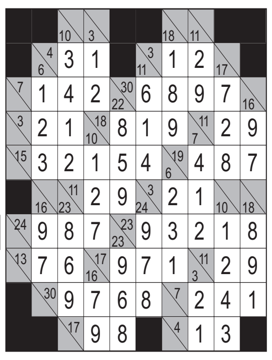

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा- 'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला- 'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा- 'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा- 'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश- 'पागल था वह ?'

रमेश- 'वह कैसे ?'

महेश- 'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3868

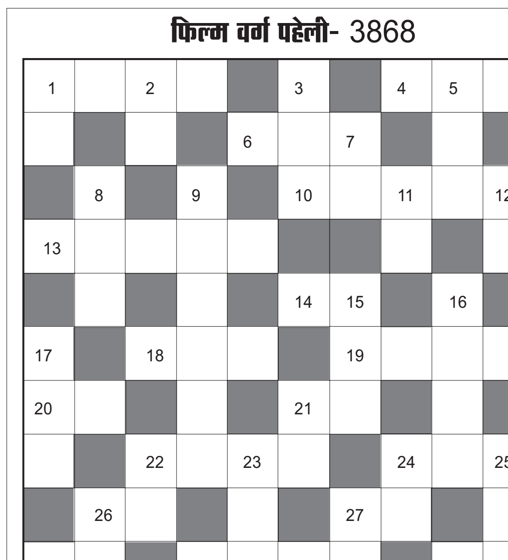

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3867

म	न	मं	दि	र		गु	म	श	ह
धु		थ		न	गी	ना		धि	
मं	हा	न	ता		त	ह	की	का	त
ती			क	र्ज			म		प
	अ	मृ	त		चा	ह	त		स्या
सं		त्यु		मु	नी	म		श	
ग्र	रै	दा		क्ति		श	जा	बा	बू
र्ष		ता	ल		आ	ज		ना	म
	कौ		गा	य	ब		जू		
खा	न	दा	न		रू	दा	ली		माँ

सूडोकु -3868

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3867 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3868

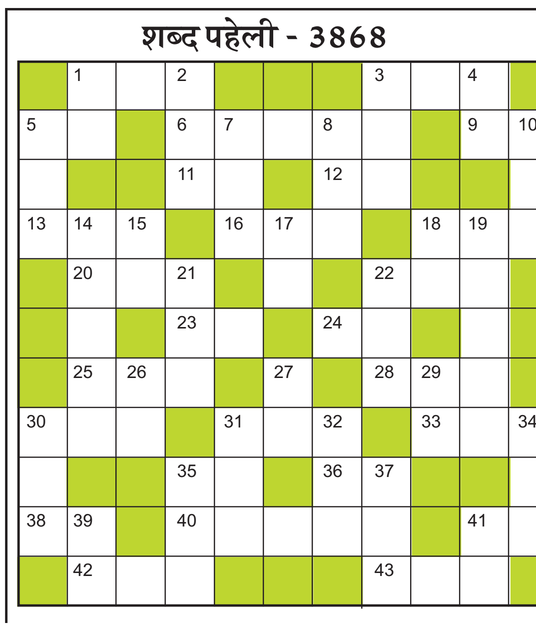

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -3867 का हल

का		बु	आ		द		स	ख्त		मु
र	क्त		कु	क	र	मु	त्ता		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				वे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
इं		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	बि
र्स		गी	त		म		ना	नी		ल

इंग्लैंड से टी-20 सीरीज हारने का परफॉर्मेंस रिव्यू करेगा बीसीसीआई

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज हारने के बाद बीसीसीआई भारतीय टीम के परफॉर्मेंस का रिव्यू करने जा रहा है। हेड कोच गौतम गंभीर का रोल और टीम की रणनीति भी रिव्यू का हिस्सा होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी भी समीक्षा के दायरे में आएगी।

मुरादाबाद को मिली प्रदेश स्तरीय क्रिकेट अंडर 17 व 19 बालिका वर्ग की मेजबानी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में जीजी हिंदू इंटर कॉलेज में शुक्रवार को मंडलीय क्रीड़ा समिति की बैठक में सत्र 2026-27 में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं के लिए बनाई गई कार्य योजना, जनपद मुरादाबाद को प्रदेश स्तरीय क्रिकेट अंडर 17 व 19 वर्ष बालिका वर्ग प्रतियोगिता तथा जनपद रामपुर को प्रदेश स्तरीय हॉकी अंडर 14, 17 व 19 वर्ष बालक/ बालिका वर्ग प्रतियोगिता का दायित्व सौंपा गया। संचालन मंडलीय क्रीड़ा सचिव बंश बहादुर ने किया।

तिलक-सुंदर को करो प्लेइंग इलेवन से बाहर : पटेल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने 5वें मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन से सीधे तौर पर तिलक वर्मा और वाशिंगटन सुंदर को बाहर करने की बात कही। उन्होंने इन दोनों खिलाड़ियों की जगह टीम में इन दो खिलाड़ियों को आजमाने की बात कही। भारतीय क्रिकेट टीम को 5 मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड के हाथों बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि इस सीरीज का एक मैच बचा है, लेकिन पिछले 4 मैचों में भारत ने 3 मैच गंवा दिए हैं और 0-3 से पीछे है। अब दोनों देशों के बीच आखिरी मुकाबला शनिवार यानी 11 जुलाई को खेलना है और टीम इंडिया के पास इस मैच को जीतकर अपनी इज्जत बचाने का मौका है।

मार्सेली और जेलेना की जोड़ी ने विंबलडन टेनिस डबल्स खिताब किया अपने नाम

नई दिल्ली। मार्सेली अरेवालो और जेलेना ओस्टापेंको की जोड़ी ने विंबलडन टेनिस टूनामेंट का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता मार्सेली अरेवालो और जेलेना ओस्टापेंको की जोड़ी ने विंबलडन टेनिस टूनामेंट का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीत लिया है। एक घंटे 56 मिनट के रोमांचक मैच में इस ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने स्टॉर्म हंटर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। इसके साथ ही दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अपना पहला मिक्स्ड डबल्स का मेजर और पहला विंबलडन

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे को सौंपी गई कप्तानी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 20वें एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। हाल ही में न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने वाली टीम की कप्तान सलीमा टेटे एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगी।

टीम के मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन ने कहा, हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें जूनियर, अनुभवी और वरिष्ठ खिलाड़ियों का शानदार संतुलन है। सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं।

हाल ही में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सविता और बिचू देवी खारीबाम को टीम में गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया है।

रक्षा पंक्ति में सुशीला चानू, इशिका चौधरी, ज्योति, ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस को जगह मिली है। ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस ने एफआईएच नेशंस कप में अपना सीनियर डेब्यू किया था।

एक और हार छीन लेगी बादशाहत! टीम इंडिया की नंबर-1 कुर्सी

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले सीरीज हाथ से निकल गई और अब आईसीसी की टी20 रैंकिंग में भारत की नंबर-1 की कुर्सी खतरे में पड़ गई है। ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी20कमुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी। अब इंग्लैंड की नजरें 11 जुलाई को साउथम्प्टन में होने वाले आखिरी मुकाबले पर है। इंग्लैंड अगर यह मैच जीत लेता है तो भारत को पीछे छोड़कर दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम बन जाएगा।

जोकोविच विंबलडन सेमीफाइनल हारे, 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना टूटा

15 साल छोटे सिनर ने सीधे सेटों में हराया, तेंदुलकर-गिल रोजर फेडरर से मिले

एजेंसी लंदन

39 साल के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का 25वां ग्रैंड स्लैट जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया है। वे विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में खुद से 15 साल छोटे 24 साल के जैनिक सिनर से सीधे सेटों में हार गए। सर्बिया के जोकोविच ने पिछला ग्रैंड स्लैम 3 साल पहले 2023 में जीता था। तब वे यूएस ओपन में चैंपियन बने थे।

लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में शुक्रवार को इटली के सिनर ने जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। वे लगातार दूसरे साल फाइनल में पहुंचे हैं। वर्ल्ड नंबर-1 सिनर ने पिछले साल स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस बार सिनर का मुकाबला रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

एक भी सेट नहीं जीत सके जोकोविच

सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने जोकोविच को लगातार तीन सेटों में 2 घंटे 20 मिनट चले मैच में मात दी। इस जीत के साथ सिनर इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में मिली 5 सेटों की हार का भी बदला ले लिया।

जोकोविच अब तक 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। वे 25वें टाइटल की तलाश में उतरे थे, लेकिन उन्हें सफलता

नहीं मिली। उन्हें साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने हराया था। फ्रेंच ओपन में वे तीसरे राउंड से बाहर हो गए थे।

जर्मनी के ज्वेरेव पहली बार विंबलडन फाइनल में

जेंटलमेंन सिंगल्स कैटेगरी के पहले सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6, 6-2, 6-4 से हराया। ज्वेरेव पहली बार विंबलडन के फाइनल में पहुंचे हैं।

29 साल के ज्वेरेव 1995 के बाद विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले पहले जर्मन खिलाड़ी बने हैं। साथ ही वे फ्रेंच ओपन जीतने के बाद अगले ही ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले ओपन एरा के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अब तक सिर्फ दो सेट गंवाए हैं।

सचिन, गिल और लारा ने रॉयल बॉक्स से मैच देखा, फेडरर से मिले

सेंटर कोर्ट के रॉयल बॉक्स में भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और फुटबॉलर वर्जिल वान डाइक समेत कई खेल सितारे मौजूद रहे। विंबलडन ने सचिन का स्वागत करते हुए उन्हें क्रिकेट रॉयल्टी बताया।

सर्वेश कुशारे डायमंड लीग में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर

एजेंसी महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के 31 साल के हाई जम्पर सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में इतिहास रचते हुए मोनाको मीट में तीसरा स्थान हासिल किया। वे डायमंड लीग में पॉडियम पर पहुंचने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर और ओवरऑल चौथे भारतीय एथलीट बन गए हैं। इससे पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और मुरली श्रीशंकर ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। सर्वेश ने 2.26 मीटर की छलांग लगाकर टोक्यो ओलिंपिक गोल्ड

मेडलिस्ट मुतज एसा बारशिम, इटली के जियानमार्को तांबेरी और अमेरिका के जूवॉन हैरिसन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा। यू `न के ओलेह डोरोशचुक (2.32 मीटर) ने गोल्ड और ब्रिटेन के जैक किमनि (2.30 मीटर) ने सिल्वर जीता। नासिक के एक प्याज किसान के बेटे सर्वेश ने बचपन में खेत के कचरे और कपास से बने अस्थायी गद्दे पर अभ्यास शुरू किया था। दो सप्ताह पहले ही उन्होंने भुवनेश्वर में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इस प्रदर्शन के बाद वे मौजूदा सीजन में एशिया के नंबर-1 हाई जम्पर और दुनिया के संयुक्त चौथे सर्वश्रेष्ठ जम्पर बन गए हैं।

भारत ने पहले दिन 1 स्वर्ण समेत जीते 5 पदक

ओरडोस (चीन)। एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में भारत ने शानदार शुरूआत करते हुए गुरुवार को पहले ही दिन एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल पांच पदक अपने नाम किए। भारत का एकमात्र स्वर्ण पदक मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले टीम ने जीता।

आस्तिक प्रधान, सैंड्रा मोल साबू, सेतु मिश्रा और श्रावणी सचिन सांगले की भारतीय चौकड़ी ने 3:18.64 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह दिन का भारत के लिए आखिरी इवेंट था।

भारत का पहला पदक भरतप्रीत सिंह ने दिलाया, जिन्होंने पुरुष डिस्कस थ्रो में 52.91 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। चीन के ली झिक्सिन ने 60.79 मीटर के साथ स्वर्ण और उनके ही देश के जियांग जेहाओ ने 59.60 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में भारत ने दो पदक हासिल किए। शिवाजी परशुराम मदप्पागौड़ा ने 14:08.19 मिनट के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि विनोद सिंह ने 14:23.67 मिनट में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

ईस्ट बंगाल छोड़ मोहन बागान से जुड़े मिगुएल

कोलकाता। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल से स्टार मिडफील्डर मिगुएल फिगुएरा को दो साल के अनुबंध पर टीम में शामिल कर लिया है। क्लब ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की।

ब्राजील के मिगुएल फिगुएरा ने भारतीय फुटबॉल में अपने पहले ही सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट बंगाल को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके शानदार खेल के लिए उन्हें टूनामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (बेस्ट प्लेयर) चुना गया था और गोल्डन बॉल पुरस्कार भी मिला था। पिछले आईएसएल सीजन में फिगुएरा ने 12 मैचों में 2 गोल किए और 5 असिस्ट भी दिए। भारत आने से पहले उन्होंने बांग्लादेश के बशुंधरा किंग्स क्लब के लिए तीन सफल सीजन खेले थे, जहां उनके प्रदर्शन ने उन्हें खास पहचान दिलाई।

मोहन बागान से जुड़ने पर फिगुएरा ने कहा, मोहन बागान के समर्थक बेहद जुनूनी हैं, बिल्कुल ब्राजील के फुटबॉल प्रशंसकों की तरह। पिछले एक साल में कोलकाता में खेलने के दौरान मैंने देखा कि ग्रीन एंड मैरून समर्थक अपनी टीम से कितना प्यार करते हैं।

पहली बार चेकिया की 2 प्लेयर्स के बीच विंबलडन फाइनल में

एजेन्सी, लंदन

विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के लेडीज सिंगल्स में इस बार चेकिया की 2 खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबला होगा। टूर्नामेंट के इतिहास में 19 साल बाद एक ही देश की 2 खिलाड़ी फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले 2009 में अमेरिका की विलियम्स सिस्टर्स के बीच फाइनल खेला गया था। गुरुवार को चेक गणराज्य की 29 साल की करोलिना मुहोवा ने 7वीं सीड अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ को 6-2, 1-6, 7-6 (12-10) से हराकर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया। इसके कुछ घंटों बाद लिंडा नोस्कोवा ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को 6-4, 6-4 से हराते हुए खिताबी दौर में जगह बनाई। दोनों में मुकाबला शनिवार को सेंटर कोर्ट पर खेला जाएगा।

जीत के बाद बोलीं मुचोवा

मुहोवा ने कहा, फाइनल में पहुंचना मेरे लिए बेहद खास पल है। मुकाबला बहुत कठिन था और पूरे मैच में लगातार उतार-चढ़ाव आते रहे। कोर्ट पर सोचने का ज्यादा समय नहीं था। आखिर तक मुकाबला काफी

मुचोवा ने तीसरे सेट में मैच पॉइंट बचाया

निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही। टाई-ब्रेकर में स्कोर 8-8 होने पर सर्विस में देरी के कारण मुहोवा को टाइम वॉयलेशन की चेतावनी मिली। अगले ही अंक पर उनका फोरहैंड बाहर चला गया और कोको गॉफ को मैच पॉइंट मिल गया। हालांकि, गॉफ नेट पर ड्रॉप शॉट खेलने में चूक गईं। मुचोवा ने इसका पूरा फायदा उठाया और लगातार दो अंक जीतकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

डॉक्टरों ने कहा था- टेनिस छोड़ दो

महोवा का करियर लगातार चोटों से प्रभावित रहा है। वह कलाई, पेट, पीठ, जांघ, टखने और पैर की कई गंभीर चोटों से जूझ चुकी हैं। 2022 में डॉक्टरों ने उन्हें टेनिस छोड़ने तक की सलाह दे दी थी। इसके बाद 2023 और 2024 में उनकी दाईं कलाई की सर्जरी हुई, जिससे वह करीब 10 महीने कोर्ट से बाहर रहीं। अब शानदार वापसी करते हुए वह अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

गॉफ की सर्विस बनी हार की बड़ी वजह

मुहोवा ने पहले सेट में गॉफ की कमजोर सर्विस का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने तीसरे और पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक कर 6-2 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में गॉफ ने जोरदार वापसी करते हुए 6-1 से जीत हासिल की।

अनिमेष विदेश में सबसे तेज 100 मीटर दौड़ने वाले भारतीय

एजेंसी जर्मनी

अनिमेष कुजूर विदेश में सबसे तेज 100 मीटर दौड़ने वाले भारतीय बने हैं। उन्होंने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर में 100 मीटर दौड़ 10.14 सेकेंड में पूरी की। 23 साल के अनिमेष ने विदेश में सबसे तेज दौड़ने के मामले में अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया है। यह उनका पर्सनल बेस्ट भी है। वह फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। साउथ अफ्रीका के आर. म्लेंगा 10.03 सेकेंड के साथ पहले स्थान पर रहे।

यह भारत का दूसरा सबसे तेज समय

अनिमेष का 10.14 सेकेंड का समय भारत के इतिहास का दूसरा सबसे तेज 100 मीटर प्रदर्शन है। नेशनल रिकॉर्ड 10.09 सेकेंड का है, जिसे गुरिंदरवीर सिंह ने इसी साल रांची में फेडरेशन कप में बनाया था।

24 घंटे में तीन बार टूटा था रिकॉर्ड

मई में फेडरेशन कप के दौरान भारतीय स्प्रिंट में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। गुरिंदरवीर सिंह ने 10.17 सेकेंड का समय निकाला और अनिमेष का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद अनिमेष ने 10.15 सेकेंड दौड़कर उससे बेहतर प्रदर्शन किया। अगले ही दिन गुरिंदरवीर ने 10.09 सेकेंड का समय निकालकर भारत के सबसे तेज धावक बने। अनिमेष कुजूर पहले ही 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारत की 100 मीटर और 200 मीटर टीम में जगह बना चुके हैं। जर्मनी की प्रतियोगिता के बाद वे पोलैंड के स्पाला में भारतीय टीम के प्रशिक्षण शिविर से जुड़ेंगे।

उपलब्धि: मधाना का 300 वां मैच

83 रन की वो पारी, जिसने इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेला, पर शतक से चूकीं

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच चल रहे एकमात्र टेस्ट मैच में स्मृति मंधाना ने एक बार फिर अपनी क्लास दिखाई। हालांकि, वह बेहद दुर्भाग्यशाली रहीं और महज 13 रन से अपने टेस्ट करियर का तीसरा शतक लगाने से चूक गईं। शानदार बल्लेबाजी कर रहीं मंधाना को 83 रन के निजी स्कोर पर इंग्लैंड की तेज गेंदबाज इस्सी वोंग ने विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। भले ही वह शतक पूरा नहीं कर सकीं, लेकिन उनकी इस पारी ने भारतीय टीम को एक बेहद मजबूत स्कोर की ओर अग्रसर कर दिया।

स्मृति मंधाना ने आउट होने से पहले इंग्लिश गेंदबाजों के सामने डटकर बल्लेबाजी की। उन्होंने मैदान के चारों ओर बेहतरीन शॉट्स खेले। मंधाना ने अपनी 83 रनों की सूझबूझ भरी पारी के दौरान

108 गेंदों का सामना किया, जिसमें उन्होंने 11 शानदार चौके और 1 गगनचुंबी छक्का भी जड़ा। उनकी इस पारी ने मैच पर भारतीय टीम की पकड़ को मजबूत करने का काम किया।

300 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली दुनिया की सबसे युवा महिला क्रिकेटर बनीं मंधाना : इससे पहले ग्राउंड पर उतरते ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। वह इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे पहले ऐतिहासिक महिला टेस्ट मैच के दौरान 300 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली दुनिया की सबसे युवा महिला क्रिकेटर बन गईं। ओवरऑल बात करें तो मंधाना यह उपलब्धि हासिल करने वाली विश्व की 12वीं महिला खिलाड़ी हैं।

भावुक हुई स्मृति मंधाना : अपनी इस अविश्वसनीय उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए 29 वर्षीय मंधाना ने कहा कि उन्हें इस मील के पत्थर (300वें मैच) के बारे में मैच की पूर्व संध्या पर ही पता चला। अपने सफर को याद करते हुए मंधाना भावुक हो गईं। उन्होंने साल 2017 में इसी लॉर्ड्स के मैदान पर खेले गए महिला वनडे विश्व कप फाइनल को याद किया। मंधाना ने बताया कि उस कठिन टूर्नामेंट के बाद वह अपने भविष्य को लेकर काफी अनिश्चित और असमंजस में थीं। हालांकि, समय बदला और आज उसी मैदान पर वह इतिहास रच रही हैं। बकौल मंधाना, लॉर्ड्स के मैदान पर 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना एक सपने जैसा है। 2017 के उस दौर से निकलकर आज इस मुकाम तक पहुंचना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। मंधाना का यह सफर दुनिया भर की युवा महिला क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा है, जो यह दिखाता है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से हर मुश्किल दौर को पार किया जा सकता है।

भारत की ओर से श्री चरणी ने किया टेस्ट डेब्यू : इस ऐतिहासिक मुकाबले की शुरूआत इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट द्वारा टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले के साथ हुई। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने अपना टेस्ट

झारखंड वार्ता
रविवार, 12-07-2026
www.jharkhandvarta.com

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्की कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्क2, क्क6 और क्क12 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है। तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक- सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।